मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-18, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ चामुंडा धाम गजनीखेड़ी में 22.34 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

प्रदेश में मोरों के संरक्षण और पुनर्वास की नयी परियोजना शुरू होगी

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मोरों के संरक्षण और पुनर्वास की नयी परियोजना शुरू की जायेगी। बड़नगर में कवि प्रदीप सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़नगर में फूड प्रोसेसिंग पार्क बनाया जाएगा, जिससे स्थानीय किसानों एवं युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। भाट पचलाना और इंगोरिया में नये सांदीपनि विद्यालय खोले जाएंगे। उज्जैन और आगर में आलू प्रसंस्करण की नई यूनिट प्रारंभ हो रही है, जो प्रदेश के 35 जिलों के किसानों से आलू खरीदेगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा।



मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ की तैयारी के लिये 25 हजार करोड़ के विभिन्न विकास कार्य प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा योजना पुनः प्रारंभ की गई है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है। दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने एशिया से विलुप्त हो चुके चीतों को पुनः प्रदेश में स्थापित करने का कार्य किया है। सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले राहवीरो को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है तथा आवश्यकता पर एयर एम्बुलेंस एवं हेली सेवा के माध्यम से निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश से नक्सलवाद समाप्त हो गया है, मध्यप्रदेश लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला प्रदेश बन गया है। बड़नगर में गीता भवन का निर्माण भी होगा।

मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण और भूमि-पूजन किये गये कार्यों में मुख्य रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अंतर्गत ग्राम पंचायत गजनीखेड़ी में मां चामुंडा मंदिर परिसर में 16 कमरों की धर्मशाला, टीन शेड, सामुदायिक भवन, शौचालय निर्माण, पेयजल व्यवस्था हेतु पानी की टंकी, 3.00 कि.मी. वाटर रिटेंशन कार्य, चारभुजा मंदिर से माताजी मंदिर तक सी.सी. रोड, गार्डन से शौचालय की ओर तथा मुख्य द्वार से श्मशान की ओर सी.सी. रोड, माताजी परिसर की बाउण्ड्रीवाल, विभिन्न ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन, सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन भीडावद, मौलाना, बीराखेड़ी, दुनातला, पलदुना, बड़िया एवं सिविल अस्पताल बड़नगर का उन्नयन कार्य, पी.आई.यू. अंतर्गत इण्डोर स्टेडियम एवं स्विमिंग पूल का निर्माण तथा नगर पालिका परिषद बड़नगर के विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवरात्रि के अवसर पर देवी स्वरूपा जो कन्याओं का पूजन किया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण भूमि पूजन भी किया।

कार्यक्रम को सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने संबोधित करते हुए क्षेत्र में हुए विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों के बारे में विस्तार से बताया और बड़नगर में नवीन फूड प्रोसेसिंग पार्क की स्थापना करने की मांग की। इस अवसर पर विधायक बड़नगर श्री जितेन्द्र पण्ड्या, विधायक नागदा श्री तेज बहादुर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमल कुमार देवड़ा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती निर्मला उमराव सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष श्री अभय टोंगया सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

शीतला माता के दर्शन के लिए लाइन में खड़े थे

ग्वालियर में ट्रक ने 57 श्रद्धालुओं को कुचला 15 की मौत, 42 घायल, 9 अफसर सस्पेंड

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर में देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने 57 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। इनमे 9 पुरुष, एक महिला और 5 बच्चे शामिल हैं। दो पुलिसकर्मी समेत 42 लोग घायल हैं। हादसा देर रात करीब 1:30 बजे चीनौर रोड पर ढलान के पास हुआ। सभी श्रद्धालु शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए सड़क किनारे लाइन में लगे थे। तभी चीनौर की ओर से आ रहा धान से भरा ट्रक करीब 90 डिग्री के ढलान पर बेकाबू हो गया।



ड्राइवर गूगल मैप की मदद से ट्रक चला रहा था। ढलान पर ट्रक पुलिस चेकपोस्ट तोड़ते हुए लोगों को कुचलकर मंदिर की बाहरी दीवार और गेट से जा टकराया। इससे मंदिर की दीवार ढह गई। कई लोग मलबे में दब गए। घायलों को जयारोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद परिजन ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और ट्रक मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि ट्रक का ब्रेक फेल हो गया था। सरकार ने सिटी एसपी को हटा दिया है। 8 अफसर-पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया गया है। इनमें चार टीआई हैं।

हादसा अत्यंत दुःखद प्रभावितों के प्रति गहरी संवेदनाएं: श्री तोमर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चीनोर से शीतला माता मंदिर मार्ग पर हुए हादसे पर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। श्री तोमर ने कहा है कि यह दुर्घटना अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। इन परिवारों पर आई आपदा का कष्ट अकथनीय है। शोक की इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह असहनीय आघात सहने का संबल प्रदान करें। मैं हादसे में घायल हुए सभी श्रद्धालुओं के शीघ्र और पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ। इस दुःखद घटना के उपरांत विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर के रविवार के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि शीतला माता मंदिर परिसर के मुख्य द्वार के समीप ढलान पर धान से भरे ट्रक अनियंत्रित हो गया था। ट्रक की चपेट में आने से माता के दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है तथा कई घायल हुए हैं।



कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश, ब्रेक फेल होने की भी होगी पड़ताल

हादसे के बाद कलेक्टर रुचिका चौहान ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। ट्रक की तकनीकी स्थिति की जांच के लिए आरटीओ की टीम को भी लगाया गया है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि ट्रक अनियंत्रित कैसे हुआ, उसके ब्रेक में कोई खराबी थी या नहीं और भारी वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए लगाए गए बैरिकेड तोड़कर ट्रक प्रतिबंधित मार्ग पर कैसे पहुंचा।

फिलहाल ब्रेक फेल होने और ट्रक की रफ्तार को लेकर स्थानीय लोगों के दावे सामने आए हैं, लेकिन हादसे के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों में मातम पसरा है। स्थानीय लोगों और पीड़ित परिवारों ने सरकार से घायलों के मुफ्त इलाज, मृतकों के परिजनों को मुआवजा और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

लोगों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से घटनास्थल का दौरा करने और पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने का आग्रह भी किया है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उनका कहना है कि हादसे की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने किया मुआवजे का एलान

ग्वालियर हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने हादसे में श्रद्धालुओं की मौत को हृदयविदारक बताते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को दो-दो लाख रुपये और अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी घायलों का निशुल्क उपचार कराने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मंत्री ऐदल सिंह कंसाना और राकेश शुक्ला को ग्वालियर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। हादसे से प्रभावित परिवार ग्वालियर, शिवपुरी और श्योपुर के रहने वाले बताए गए हैं।

वायरल ऑडियो में सलमान खान को खत्म करने की धमकी

टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में 5 राउंड फायरिंग एक्टर सुरक्षित:लॉरेंस गैंग ने जिम्मेदारी

एजेन्सी, नई दिल्ली

एक्टर टाइगर श्रॉफ पर रविवार शाम 7 बजे मुंबई में फायरिंग हुई। घटना में टाइगर को कांच के टुकड़े लगे हैं और गनपाउडर से हाथ जलने के निशान हैं। वहीं, टाइगर के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति को गोली लगी है। फिलहाल दोनों खतरे से बाहर हैं।



टाइगर जब फुटबॉल खेलकर लौट रहे थे तभी उनकी कार जुहू के पुष्पा पार्क के पास रुकी। यहां उन्हें देखने के लिए भीड़ जमा थी। तभी एक बाइक पर सवार तीन लोग वहां पहुंचे और टाइगर की कार पर 5 राउंड फायरिंग की। घटना जुहू पुलिस स्टेशन से महज 350 मी. दूर हुई। हमले के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट और ऑडियो वायरल हो रहा है। इसमें लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने फायरिंग की जिम्मेदारी ली। लिखा कि सलमान खान के साथ काम करने वाले का यही अंजाम होगा।

ऑडियो में खुद को अनिल पंडित बताने वाला शख्स सलमान खान को भी धमका रहा है। कह रहा है कि सलमान और उसके परिवार को खत्म कर देंगे। वे चाहे जितनी सिक्योरिटी में रहें। लॉरेंस गैंग की पोस्ट वायरल होने के बाद बॉलीवुड में टाइगर श्रॉफ और सलमान खान के साथ काम करने की चर्चाएं होने लगीं। हालांकि, ट्रेड सूत्रों के मुताबिक, ऐसी किसी फिल्म की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

टाइगर हाल ही में निर्देशक रेमो डिसूजा की अनटाइटल्ड एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। वह आगे जान्हवी कपूर और लक्ष्य के साथ राज मेहता के निर्देशन में बन रही लग जा गले फिल्म करने वाले हैं।

इसरो को बड़ी सफलता, अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने का परीक्षण सफल

एजेन्सी, नई दिल्ली



भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के लिए अंतरिक्ष यान के दो हिस्सों को अलग करने से जुड़े कई परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। इन परीक्षणों से यह जांचा गया कि अंतरिक्ष में जरूरी समय पर क्रू मॉड्यूल को सर्विस मॉड्यूल से सुरक्षित तरीके से अलग किया जा सकता है या नहीं। यह प्रक्रिया अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर जाने वाले भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारी में अहम मानी जा रही है। ये परीक्षण तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में किए गए। गगनयान का पहला मानवरहित मिशन जी1 साल 2026 में लॉन्च करने का लक्ष्य है। गगनयान के क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल उड़ान के दौरान एक साथ जुड़े रहेंगे। मिशन के दौरान दोनों हिस्से मिलकर काम करेंगे और उनके बीच बिजली तथा दूसरी जरूरी सेवाओं का संपर्क बना रहेगा। हालांकि, जब अंतरिक्ष यान को धरती पर लौटना होगा, तब क्रू मॉड्यूल को सर्विस मॉड्यूल से अलग करना जरूरी होगा। इस प्रक्रिया में कई उपकरण काम करेंगे। किसी भी तरह की खराबी अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी को प्रभावित कर सकती है।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में अंतरिक्ष यान के दोनों हिस्सों को जोडकर अलग करने की प्रक्रिया की जांच की गई। इस दौरान यह भी देखा गया कि अलग होते समय लगने वाले झटकों का जरूरी उपकरणों पर कोई बुरा असर तो नहीं पड़ता।

सरकार की नीतियों का विरोध

8 देशों में फैली प्रदर्शन की आग, फ्रांस, इटली से अमरीका तक सडकों पर उतरे लोग

एजेन्सी, पेरिस

दुनिया के कई देशों में महंगाई, बेरोजगारी, आवास संकट और सरकारी नीतियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव से पहले जनता का गुस्सा फूट पड़ा है, जहां लाखों लोग सडकों पर उतरे हैं। बेल्जियम, पुर्तगाल, इटली, अल्बानिया, तुर्किये, अर्जेंटीना और अमरीका में भी अलग-अलग मुद्दों को लेकर प्रदर्शन जारी हैं। कई देशों में महंगाई, बेरोजगारी, आवास संकट और सरकारी नीतियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं भारत में एसआईआर के विरोध में युवा और विपक्ष का हमला जारी है। भारत से लेकर यूरोप और अमरीका तक, जगह-जगह बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता सडकों पर उतर आई है

फ्रांस में बढ़ती महंगाई के खिलाफ शनिवार को हुए देशव्यापी प्रदर्शन हिंसा में बदल गए। कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। बड़े



पैमाने पर दुकानों में लूटपाट की गई और कई जगह आगजनी हुई। प्रधानमंत्री सेबास्तियन लेकोर्नू के मुताबिक, हिंसा में 1,200 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 150 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोइरे ने कहा कि शहर की पूरी की पूरी सडकें बर्बाद कर दी गई हैं। नकाब पहने युवाओं के समूहों ने खड़ी गाडि ?ों में आग लगा दी और कई दुकानों में तोडफोड़ की। राजधानी पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछार करने वाली गाडि ?ों का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की ओर से पुलिस पर चीजें फेंकी गईं और आतिशबाजी की गई। फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक, महंगाई और जीवन-यापन की बढ़ती लागत के खिलाफ देशभर में हुए प्रदर्शनों में करीब 5.5 लाख लोग शामिल हुए। प्रदर्शन में शामिल सीजीटी यूनियन ने यह संख्या आठ लाख बताई। राजधानी और दूसरे शहरों में प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद कई जगह युवाओं के समूह सडकों पर घूमते रहे। उन्होंने पुलिस से झड़प की, दुकानों में आग लगाई और बंद दुकानों के शीशे तोडकर सामान लूट लिया। रिपोर्ट के मुताबिक करीब छह-छह युवाओं के समूह कई दुकानों को सुनियोजित तरीके से निशाना बना रहे थे। नकाब और दस्ताने पहने ये लोग पहले सुरक्षा कैमरों का कनेक्शन काटते और फिर शीशे तोडकर दुकानों में घुसते थे।

पेरिस में एप्पल-लुई विटॉन के स्टोर लूटे

पेरिस, मार्सेई, नीस, नांत, लिमोज, लिल, टूलूज और स्ट्रासबर्ग में कई दुकानों को निशाना बनाया गया। इनमें सुपरमार्केट, दवाइयों की दुकानें, महंगी सामान की दुकानें, कपड़ों की दुकानें, चश्मे की दुकानें, सौंदर्य उत्पादों की दुकानें और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानें शामिल थीं। बोरदो में उपद्रवियों ने एप्पल के फ्लैगशिप स्टोर और लग्जरी फैशन ब्रांड्स लुई वुइटन और हर्मीस के शीशे तोडकर दुकानों को लूट लिया।

ट्रंप ने उड़ाया मजाक

फ्रांस में बढ़ती महंगाई, जीवन-यापन के खर्च और सरकारी नीतियों के खिलाफ जारी राष्ट्रव्यापी छात्र और ट्रेड यूनियन आंदोलनों के शनिवार और रविवार (17-18 अक्तूबर 2026) को भीषण हिंसा, लूटपाट और आगजनी में बदलने के बाद अमरीकी शीर्ष नेतृत्व की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस के बिगड़ते हालात पर व्यंग्य और तंज कसते हुए मजाक उड़ाया। एक कार्यक्रम के दौरान अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तंज कसते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने हमें 5,000 भेजे डॉलर हैं चलो चीन या जापान घूम आते हैं। या फिर फ्रांस चलें? कितनी प्यारी जगह है। कोई दंगे नहीं, कोई क्रांतियां नहीं! आप तो जानते ही हैं, फ्रांस क्रांति करने के लिए कितना मशहूर है।

न्यूज ब्रीफ

हानिकारक प्रवृत्तियों का त्याग ही नवरात्रि का सच्चा संकल्प : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारी हानिकारक प्रवृतियाँ ही आधुनिक समय के राक्षस है। नवरात्रि के नौ दिवस के बाद जिस प्रकार दशमी को भगवान राम ने रावण का अंत किया था, उसी तरह हमारे अंदर की बुराईयों और आदतों को छोड़ना ही नवरात्रि का संकल्प है। उन्होंने कहा कि गुजराती समाज जहॉ बसता है नवरात्रि का भव्य उत्सव वहाँ मनता है। राज्यपाल श्री पटेल रविवार को नवरात्रि उत्सव में उपस्थित गुजराती समाज के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। उत्सव का आयोजन भोपाल गुजराती समाज के द्वारा किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने समारोह के प्रारम्भ में आदि शक्ति की आरती कर अष्टमी समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने पारंपरिक गुजराती परिधानों के साथ पूरे नवरात्रि उत्सव में शामिल होने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय भी उपस्थित थी।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुजराती समाज द्वारा पर्यावरण संरक्षण स्वच्छता, यातायात नियमों के पालन, अन्न के सम्मान और गुजराती संस्कृति के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि परिवार में यदि केवल एक व्यक्ति नशा करता है तो पूरा परिवार पर उसका दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने लोगों से आव्हान किया कि वह नशामुक्त समाज के लिए संकल्पित हों। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के जन्म दिवस को 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक भव्यता के साथ सेवा संकल्प के रूप में मनाया गया। इस दौरान सेवा कार्यों के साथ ही नशामुक्त अभियान के प्रति जनजागृति के प्रयास भी किए गए। राज्यपाल श्री पटेल की प्रेरणा पर कार्यक्रम में उपस्थितजनों से संकल्प पत्र भरकर संकल्प लिया। महापौर श्रीमती मालती राय ने गुजराती समाज द्वारा आदर्श समाज की दिशा में किए जा रहे प्रयासों, स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियमों के अनुपालन की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि भोपाल के सभी समाज इस दिशा में पहल करे तो भोपाल का स्वरूप भव्य होगा।

श्रमदान कर शहर वासियों को दिया स्वच्छता का संदेश, व्यापारियों, हाथ ठेला और टम-टम वालों को दी समझाइश

भिण्ड। कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन ने आज सुबह भिण्ड शहर के मुख्य बाजार सदर बाजार पहुंचे। उन्होंने नगर पालिका सीएमओ, भूतपूर्व सैनिकों और समाज सेवियों के साथ श्रमदान कर आमजन को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का निरंतर प्रयास किया जाए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान व्यापारियों और नागरिकों से कहा कि अपने घर और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखना शासन-प्रशासन की जवाबदारी के साथ-साथ हम सबका भी मूल दायित्व है। अपने घर के आसपास स्वच्छता रखें और नगर पालिका की कचरा गाड़ी में ही कचरा डालें। उन्होंने नगर पालिका भिण्ड सीएमओ को निर्देशित किया कि शहर को बेहतर करें और नियमित कचरा गाड़ी पहुँचे यह भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने शहर भ्रमण के दौरान टम-टम चालकों को समझाइश दी कि बाजार में अनावश्यक रूप से टम-टम खड़ी नहीं करें, साथ ही हाथ ठेला वालों को हॉकर्स जॉन में ठेले लगाने की समझाइश दी। उन्होंने हॉकर्स जॉन का निरीक्षण कर उसे व्यवस्थित और बेहतर बनाने के सीएमओ भिण्ड को निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने भी भूतपूर्व सैनिक, समाज सेवियों तथा नगर पालिका टीम के साथ परेड चौराहे से सब्जी मंडी रोड़ तथा पुस्तक बाजार में श्रमदान कर आमजन को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना, शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. विद्यालय क्रमांक 01 के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छता संबंधी नारों के साथ शहर वासियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया।

जागृति की ज्योति में निरंकारी संत समागम की तैयारियाँ अंतिम चरण में

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**





जहाँ ब्रह्मज्ञान से चेतना जागृत हो, प्रेम से हृदय आलोकित हो और सेवा जीवन का संकल्प बन जाए वहीं संत समागम आत्मिक जागृति का ऐसा पावन उत्सव बन जाता है, जो मनुष्य को अपने भीतर झाँकने और परमात्मा से जुड़ने की प्रेरणा देता है। इसी दिव्य भाव और आध्यात्मिक चेतना को साकार करते हुए, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 23 से 26 अक्टूबर, 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा (हरियाणा) में आयोजित होने जा रहा है। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर एकत्र होकर सत्संग, सेवा, प्रेम और भक्ति के इस दिव्य मिलन में सहभागी बनेंगे।

श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता के साथ समागम स्थल की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं। संतों की निस्वार्थ सेवा, परिश्रम और समर्पण से सामान्य सा प्रतीत होने वाला मैदान आज एक दिव्य आध्यात्मिक नगरी का स्वरूप धारण कर चुका है। विशाल पंडालों में श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ की गई हैं। साथ ही, अत्याधुनिक एल.ई.डी. स्क्रीन स्थापित की जा रही हैं, ताकि परिसर के प्रत्येक कोने में बैठे श्रद्धालु प्रेरणादायक प्रवचनों, भावपूर्ण भजनों एवं आध्यात्मिक विचारों को सहजता से देख-सुन सकें और सत्संग की भावधारा से एकरूप हो सकें।

समागम की भव्यता में श्रद्धालु भक्तों द्वारा निर्मित मुख्य स्वागत द्वार विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अपनी अनुपम कलात्मकता और भव्य स्वरूप के साथ यह द्वार समागम की आध्यात्मिक गरिमा को अभिव्यक्त करता है। यह केवल एक स्वागत संरचना नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, सृजनशीलता और सामूहिक श्रद्धा की साकार अभिव्यक्ति है। श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता के साथ इसका स्वरूप भी निरंतर विस्तार और भव्यता प्राप्त करता जा रहा है। इसकी दिव्य आभा मानो प्रत्येक आगंतुक का प्रेम, अपनत्व और समभाव के साथ हार्दिक अभिनन्दन करते हुए संत समागम के मानवीय संदेश को प्रदर्शित कर रही है।

संत निरंकारी मंडल के सचिव श्री जोगिंदर सुखीजा जी ने जानकारी सांझा करते हुए कहा कि सतगुरु माता जी की दिव्य प्रेरणा एवं आशीर्वाद से समागम की व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ रही हैं। सुचारु संचालन, सहज आवागमन और श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूरे परिसर को चार प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। संतों की कर्मठ एवं निस्वार्थ सेवा भावना ने इस स्थल को एक भव्य, सुंदर और सुव्यवस्थित आध्यात्मिक नगरी का रूप प्रदान किया है, जहाँ पहुँचते ही श्रद्धालु सेवा, समर्पण और आध्यात्मिक वातावरण की दिव्य अनुभूति करते हैं।

79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम प्रेम, भक्ति और आत्मिक जागृति की उस पावन धारा से जुड़ने का अवसर है, जो जीवन को भीतर से प्रकाशित करने की प्रेरणा देती है। इस दिव्य आध्यात्मिक मिलन में सभी सज्जन महात्माओं एवं श्रद्धालु भक्तों का सादर स्वागत है।

रेल कारखाना भोपाल में कोचों को अधिक आरामदायक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल



एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

यात्रियों को अधिक आरामदायक रेल यात्रा उपलब्ध कराने की दिशा में पश्चिम मध्य रेल की भोपाल स्थित सवारी डिब्बा पुनर्वास कारखाना भोपाल ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कार्यशाला में पहली बार कॉइल स्प्रिंग बोगी को एयर सस्पेंशन बोगी में बदलने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। एयर सस्पेंशन प्रणाली का प्रमुख लाभ यात्रा के दौरान लगने वाले झटकों और कंपन को कम करने में सहायता करना है। इससे कोच में सफर करने वाले यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सकता है। विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, यह पहल रेल यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में उपयोगी साबित हो सकती है। इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कार्यशाला में ही एक विशेष उपकरण तैयार किया गया। इसकी मदद से बोगी के निचले ढांचे में एयर सस्पेंशन प्रणाली लगाने हेतु चारों कंसोल को निर्धारित स्थान पर सटीकता से लगाया गया। पुराने कंसोल को नए कंसोल एवं ब्रैकेट से बदलने का यह कार्य तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण था, जिसे कार्यशाला के कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

एयर सस्पेंशन प्रणाली से यात्रियों को झटकों और कंपन से राहत दिलाने में मिलेगी मदद

पश्चिम मध्य रेल की यह पहल उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए कोचों में सुधार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एयर सस्पेंशन प्रणाली के उपयोग से यात्रियों के सफर को अधिक आरामदायक बनाने में मदद मिल सकती है। साथ ही, कार्यशाला में विशेष उपकरण विकसित करने से भविष्य में इस प्रकार के तकनीकी कार्यों को अधिक सटीकता के साथ पूरा करने में सहायता मिलेगी।

भोपाल मंडल के कुरवाई कैथोराझबीना रेलखंड में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के कुरवाई कैथोराझबीना रेलखंड में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली सफलतापूर्वक शुरू की गई। यह उपलब्धि पश्चिम मध्य रेल के गति शक्ति यूनिट और सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग सहित अन्य विभागों के सयुंक्त प्रयासों का परिणाम है। इस आधुनिक प्रणाली की शुरूआत से रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं कुशल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

इस रेलखंड में 9.130 रूट किलोमीटर लंबाई में तीन लाइनों की व्यवस्था है, जिसमें मध्य लाइन पर दोनों दिशाओं में रेल परिचालन किया जा सकता है। यह 18.26 समतुल्य डबल लाइन किलोमीटर के बराबर है। यहां छडट110 मॉड्यूल आधारित ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित की गई है। स्टेशन मास्टर कक्ष में श्उ्र (विजुअल डिस्प्ले यूनिट) के माध्यम से सिग्नलिंग प्रणाली के संचालन एवं निगरानी की व्यवस्था की गई है।

ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली के प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैंः

बेहतर रेल परिचालनः आधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था से रेल परिचालन को अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी।

सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में सुधारः आधुनिक उपकरणों और सिग्नलिंग तकनीक से परिचालन की विश्वसनीयता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

तेज डेटा संचारः ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क से सिग्नलिंग उपकरणों के बीच विश्वसनीय संचार सुविधा उपलब्ध होगी।

आधुनिक संचार तकनीक का उपयोगः उन्नत तकनीक से सिग्नलिंग उपकरणों के बीच संचार अधिक प्रभावी होगा तथा रखरखाव को सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के लिए उपयोगीः ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क कवच जैसी आधुनिक रेल सुरक्षा प्रणालियों तथा उन्नत यात्री सूचना प्रणालियों के लिए आवश्यक डेटा संचार में सहायक होगा।

लागत प्रभावशीलताः आधुनिक संचार एवं सिग्नलिंग व्यवस्था से परिचालन और रखरखाव को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

इस प्रणाली के अंतर्गत 24-फाइबर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क, 48-फाइबर ऑप्टिकल फाइबर केबल, डिजिटल एक्सल काउंटर तथा अन्य आवश्यक उपकरण स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, सिग्नलिंग उपकरणों के लिए विद्युत आपूर्ति एवं निगरानी की आधुनिक व्यवस्था भी की गई है।

यह आधुनिक संचार नेटवर्क भविष्य में ह्यकवचह्ण जैसी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों तथा उन्नत यात्री सूचना प्रणालियों के लिए भी उपयोगी आधार उपलब्ध कराएगा। पश्चिम मध्य रेल द्वारा आधुनिक तकनीक के उपयोग से रेल अवसंरचना को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। कुरवाई कैथोरा-बीना रेलखंड में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग की शुरूआत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे रेल परिचालन की सुरक्षा, विश्वसनीयता एवं दक्षता को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

विदिशा जिले में रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता हुई मजबूत, 7 ईएचवी सबस्टेशनों में 120 एमवीएआर क्षमता के 10 कैपेसिटर बैंक संचालित

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा विदिशा जिले की विद्युत पारेषण व्यवस्था में रिएक्टिव पावर कंपनसेशन के लिए 120 एमवीएआर क्षमता के 10 कैपेसिटर बैंक संचालित किए जा रहे हैं। जिले के 7 एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचवी) सबस्टेशनों में उपलब्ध इन कैपेसिटर बैंकों से वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर बनाए रखने तथा उपभोक्ताओं को मानक वोल्टेज पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है।

विदिशा जिले में 220 केवी के दो सबस्टेशन गंज बासौदा एवं विदिशा तथा 132 केवी के पांच सबस्टेशन सहरवासा, लटेरी, शमशाबाद, ग्यारसपुर और सिरोंज शामिल हैं। इन 7 ईएचवी सबस्टेशनों में कुल 120 एमवीएआर क्षमता के 10 कैपेसिटर बैंक संचालित हैं। इनके माध्यम से विद्युत प्रणाली को आवश्यक रिएक्टिव पावर सपोर्ट मिलता है, जिससे वोल्टेज स्थिरता बनाए रखने में सहायता मिलती है।



प्रदेश में 750 कैपेसिटर बैंक संचालित

एमपी ट्रांसको द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 29 नए कैपेसिटर बैंक स्थापित कर ऊर्जीकृत किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल 750 कैपेसिटर बैंक क्रियाशील हैं, जिनकी संयुक्त स्थापित क्षमता 9383.5 एमवीएआर है। यह क्षमता प्रदेश की अब तक की अधिकतम रिएक्टिव पावर मांग 6776 एमवीएआर से लगभग 38 प्रतिशत अधिक है।

गुणवत्ता और वोल्टेज स्थिरता में सुधार

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश शासन की मंशानुरूप उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए एमपी ट्रांसको अपने ईएचवी सबस्टेशनों में आवश्यकता के अनुसार कैपेसिटर बैंक स्थापित कर रही है। कंपनी के 418 सबस्टेशनों में से अधिकांश में विभिन्न क्षमताओं के कैपेसिटर बैंक संचालित हैं। पुराने सबस्टेशनों में भी जरूरत के अनुसार नए कैपेसिटर बैंक स्थापित किए जा रहे हैं और मौजूदा बैंकों की क्षमता बढ़ाई जा रही है।

52 पुराने कैपेसिटर बैंक किए गए प्रतिस्थापित

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता टेस्टिंग एम.वाई. मंसूरी ने बताया कि कंपनी ने ऐसे 52 पुराने कैपेसिटर बैंकों को चिह्नित किया था, जिनकी उपयोगी आयु पूरी हो चुकी थी और जो अपेक्षित कैपेसिटिव सपोर्ट नहीं दे पा रहे थे। इनके स्थान पर अधिक क्षमता वाले नए कैपेसिटर बैंक स्थापित किए गए हैं। इससे रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता में अब तक 309 एमवीएआर की वृद्धि हुई है। श्री मंसूरी ने बताया कि सिंचाई पंप, औद्योगिक मोटरें और अन्य विद्युत उपकरण सामान्यतः इंडक्टिव लोड उत्पन्न करते हैं, जिससे वोल्टेज में गिरावट और पावर फैक्टर में कमी आ सकती है। कैपेसिटर बैंक आवश्यक रिएक्टिव पावर उपलब्ध कराकर इस प्रभाव की भरपाई करते हैं। इससे वोल्टेज प्रोफाइल में सुधार, पावर फैक्टर बेहतर बनाए रखने और पारेषण प्रणाली की दक्षता बढ़ाने में मदद मिलती है।

प्रोजेक्ट चहचहाट के तहत अडबंधा तालाब में हुआ बर्ड वॉक



एक सत बुलेटिन, **रायपुर**

प्रोजेक्ट चहचहाट के अंतर्गत जनपद पंचायत धरसीवां की ग्राम पंचायत मांडर स्थित अडबंधा तालाब में बर्ड वॉक का आयोजन किया गया। इसमें गांव की महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों और पक्षी मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बर्ड वॉक के दौरान प्रतिभागियों ने तालाब क्षेत्र में पक्षियों के प्राकृतिक आवास और उनकी विविधता के बारे में जाना। उन्हें पक्षियों तथा जैव विविधता के संरक्षण का महत्व भी बताया गया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना और प्रकृति से उनका जुड़ाव बढ़ाना है।

कार्यक्रम स्थल पर प्रोजेक्ट चहचहाट के अंतर्गत प्रदान की गई फूड कार्ट भी मौजूद रही। इससे स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया।

प्रोजेक्ट चहचहाट के माध्यम से पक्षी संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को जोड़कर प्रकृति संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

नो एंट्री पॉइंट पर लकप्रधान आरक्षक के बीच विवाद:ड्यूटी के दौरान मारपीट का आरोप

जबलपुर। शहपुरा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक लखन निषाद ने टीआई प्रवीण कुमार धुर्वे और अन्य पुलिसकर्मियों पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। प्रधान आरक्षक ने इस संबंध में एसपी से लिखित शिकायत की है। विवाद रविवार देर रात नो एंट्री पॉइंट पर ड्यूटी के दौरान हुआ। वहीं, टीआई ने मारपीट के आरोपों से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक, ग्वालियर में हुए हादसे को देखते हुए शहपुरा क्षेत्र के बाहर बैरिकेड लगाकर रात 1 बजे तक बड़े वाहनों की नो एंट्री की गई थी। रविवार रात करीब 12:30 बजे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। इसी दौरान पूजा का सामान लेकर भोपाल जा रहा एक वाहन चालक प्रधान आरक्षक लखन निषाद से वाहन निकालने देने के लिए कहने लगा। लखन ने उसे बताया कि एसडीएम और टीआई के निर्देश हैं कि रात 1 बजे से पहले कोई बड़ा वाहन नहीं निकलेगा। इसके बाद उन्होंने वाहन चालक को टीआई का मोबाइल नंबर देते हुए कहा कि अनुमति मिलने पर वह जा सकता है।

फोन पर बहस के बाद मारपीट का आरोप

वाहन चालक ने टीआई को फोन किया तो उन्होंने पूछा कि मोबाइल नंबर किसने दिया है। चालक ने बताया कि नो एंट्री पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मी ने नंबर दिया है। इसके बाद टीआई प्रवीण कुमार और प्रधान आरक्षक लखन के बीच फोन पर बहस होने लगी। लखन का आरोप है कि इसके बाद टीआई ने थाने में पदस्थ अन्य आरक्षकों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की। उनके मुताबिक, कुछ पुलिसकर्मियों ने उनके हाथ पकड़े, जिसके बाद टीआई और थाने में पदस्थ ड्राइवर राहुल गुप्ता ने उन्हें पीटा।

टीआई बोले- समझाइश दी थी

टीआई प्रवीण कुमार धुर्वे ने मारपीट के आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि ग्वालियर में हुए हादसे को देखते हुए प्रधान आरक्षक की रात 1 बजे तक नो एंट्री पॉइंट पर ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन वह बार-बार जल्दी जाने की बात कह रहे थे। टीआई के मुताबिक, उन्होंने प्रधान आरक्षक को केवल समझाइश दी थी। उन्होंने कहा कि न तो उनके और लखन के बीच कोई विवाद हुआ और न ही किसी तरह की मारपीट हुई।

दशहरा पर इंदौर-उज्जैन समेत 14 जिलों में बारिश का अलर्ट:गुना में बह गई मक्के की कटी फसल

जबलपुर। मध्य प्रदेश में अगले तीन दिन मौसम का मिजाज बदला रहेगा। दशहरे के दिन यानी 20 अक्टूबर को इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम समेत 14 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इससे पहले बीते 24 घंटे के अंदर 15 जिलों में बारिश रिकॉर्ड की गई। इनमें इंदौर, शाजापुर, सीहोर, मंदसौर, उज्जैन, आगर-मालवा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल और छिंदवाड़ा शामिल हैं। गुना शहर में 115.6 मिमी यानी, साढ़े 4 इंच से ज्यादा बारिश हुई। खेतों में मक्के की कटी फसल भीग गई। मंडी में खुले में रखा मक्का पानी के साथ नालियों में बह गया। आगर-मालवा के सोयतकलां में सवा इंच और सुसनेर में 1 इंच पानी गिरा। एमपी के पश्चिमी हिस्से के 22 शहर या कस्बों में आंधी-बारिश हुई। आगर-मालवा में 68डे प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। इंदौर में हवा की रफ्तार 31डे, खरगोन, हरदा और बुरहानपुर में 30डे प्रतिघंटा रही। सोमवार को प्रदेश के 15 जिलों में बारिश होने का अनुमान है। इनमें भोपाल, उज्जैन, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर और दमोह शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 20, 21 और 22 अक्टूबर को प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में बारिश हो सकती है जबकि पूर्वी हिस्से में मौसम साफ रहने और धूप निकलने का अनुमान है। दशहरे के दिन इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, शाजापुर, हरदा और बैतूल में बारिश होने की संभावना है।

24 घंटे निगरानी, ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

बरगी के जंगल में पहली बार आए जंगली हाथी, छत्तीसगढ़ से 300 किमी चलकर जबलपुर पहुंचे, वन विभाग अलर्ट

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



छत्तीसगढ़ से करीब 300 किलोमीटर का सफर तय कर हाथियों का झुंड जबलपुर के बरगी क्षेत्र तक पहुंच गया है। रविवार को इसकी जानकारी मिलते ही वन विभाग अलर्ट हो गया। हाथियों की तलाश और निगरानी के लिए 40 से ज्यादा वनकर्मियों को तैनात किया गया है। विभाग हाथियों की वास्तविक संख्या और उनकी गतिविधियों का पता लगा रहा है। आसपास के ग्रामीणों को एहतियातन घने जंगलों में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, हाथियों ने छत्तीसगढ़ से सफर शुरू किया और बालाघाट के चूरापूड़ी से होते हुए नकटिया और परासिया क्षेत्र पार कर बरगी पहुंचे। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, हाथियों के एक दिन में तय किए जाने वाले सफर की कोई निश्चित सीमा नहीं होती। वे कभी पूरे दिन चलते हैं, तो कभी 20 से 30 किलोमीटर का सफर तय करते हैं।

हरियाली और भोजन की उपलब्धता बनी वजह

जानकारों के मुताबिक, बरगी और आसपास के जंगलों में हरियाली, पानी और पर्याप्त भोजन की उपलब्धता हाथियों को आकर्षित कर सकती है। भोजन करते हुए आगे बढ़ने के कारण उनकी गति धीमी रही। हाथियों के कुछ खेतों में पहुंचने की जानकारी भी सामने आई है, हालांकि अब तक ज्यादा नुकसान होने की सूचना नहीं है।

बरगी में हाथियों की मौजूदगी की सूचना के बाद जबलपुर वन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। सिवनी वन विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई है। वनकर्मियों की विशेष टीम दिन-रात हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। विभाग की प्राथमिकता हाथियों को घने जंगल में बनाए रखने की है, ताकि ग्रामीणों और वन्यजीवों के बीच टकराव की आशंका कम की जा सके। वन विभाग के डीएफओ पुनीत सोनकर के मुताबिक, हाथियों के विचरण की कोई तय सीमा नहीं होती। फिलहाल टीम उनकी संख्या और आगे की दिशा का पता लगाने में जुटी है।

झूले से गिरकर लड़का–लड़की घायल: रील बनाते समय खुल गया दरवाजा, गेट से टिककर खड़ी थी



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गोलबाजार में दशहरा-दीपावली के मेले में रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। यहां गोल घूमने वाले झूले का गेट अचानक खुलने से दो बच्चे नीचे गिरकर घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्ची पल्लवी को गंभीर चोट आई है, जबकि दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद लार्डगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

11:30 से 12 बजे के बीच हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक रविवार रात करीब 11:30 से 12 बजे के बीच गोलबाजार मेले में बड़ी संख्या में लोग झूले के आसपास मौजूद थे। कुछ लोग झूला झूल रहे थे। इसी दौरान पल्लवी और आशीष यादव गोल घूमने वाले झूले पर थे। प्रत्यक्षदर्शी एसके निगम के मुताबिक पल्लवी झूले के दरवाजे से टिककर खड़ी थी और मोबाइल से रील बना रही थी। इसी दौरान दरवाजा खुल गया और वह एक लड़के के साथ नीचे गिर गई। झूला करीब 10 से 15 फीट के गोल क्षेत्र में घूमता है, जिसमें लोग पकड़कर खड़े रहते हैं।

मां बोली- झूले वाले की जिम्मेदारी

आशीष की मां सरिता यादव ने बताया कि घटना इतनी जल्दी हुई कि वह बच्चे को पकड़ नहीं सकीं। उनके मुताबिक, झूले का दरवाजा खुलने से बच्चा नीचे गिर गया। उन्होंने हादसे के लिए झूला संचालक को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि इलाज का खर्च भी उसे उठाना चाहिए।

पुलिस कर रही हादसे की जांच

सीएसपी अखिलेश गौर ने बताया कि गोल घूमने वाले झूले में यह हादसा हुआ है। राहत की बात है कि बच्चे अधिक ऊंचाई से नहीं गिरे। घायल बच्चों के परिजनों की शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि झूले का गेट कैसे खुला और हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है।

कलेक्टर ने किया ग्रामों का भ्रमण, स्वामित्व योजना के कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने आज विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने धान पंजीयन के सत्यापन, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण, किसानों की ई-केवायसी तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत रजिस्ट्री के कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत सूखा में ली कार्यों की जानकारी

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा जनपद पंचायत पनागर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सूखा पहुंचे। यहां उन्होंने धान पंजीयन सत्यापन, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत रजिस्ट्री के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों की पट्टा वितरण और पेंशन संबंधी समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान एसडीएम श्रीमती कलावती ब्यारे, तहसीलदार श्री नीरज तखरिया, सरपंच डॉ. रितेश सिंह ठाकुर तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा जनपद पंचायत पनागर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेला पहुंचे। यहां उन्होंने धान पंजीयन सत्यापन, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत रजिस्ट्री के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने पटवारियों को पात्र हितग्राहियों से संपर्क कर संबंधित कार्य पूर्ण कराने तथा उनकी ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

ग्राम बेलखाडू में स्वामित्व योजना के कार्यों की समीक्षा

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्राम बेलखाडू पहुंचकर स्वामित्व योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी और रजिस्ट्री के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पटवारी को ग्राम के कोटवार के साथ समन्वय बनाकर पात्र हितग्राहियों से संपर्क करने तथा ई-केवाईसी और रजिस्ट्री का कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।

ग्राम पिपरिया में पटवारी के कार्य की सराहना

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ग्राम पंचायत बघौड़ा के ग्राम पिपरिया में दुर्गा पंडाल पहुंचकर स्वामित्व योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान पटवारी ने उन्हें कार्य की प्रगति से अवगत कराया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पटवारी द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना करते हुए योजना के कार्यों में और अधिक प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा पनागर के बाद जनपद पंचायत सिहोरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत जुझारी पहुंचे। यहां उन्होंने स्वामित्व योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति के संबंध में चर्चा की। इस दौरान एसडीएम श्रीमती ज्योति परस्ते एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना के लिए जिले में 45 स्थानों पर लगेंगे शिविर, 22 अक्टूबर से 4 नवंबर तक होगा पंजीयन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले में मिशन मोड पर पंजीयन अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने इस संबंध में आदेश जारी कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के असंगठित क्षेत्र के महिला एवं पुरुष श्रमिकों को लाभान्वित किया जाएगा। योजना में पंजीकृत हितग्राहियों को निर्धारित आयु तक नियमित रूप से प्रीमियम का भुगतान करना होगा। इसके बाद 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर उन्हें आजीवन प्रतिमाह 3 हजार रुपए पेंशन प्रदान की जायेगी।

शिविरों के आयोजन के लिए श्रम विभाग को नोडल विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल विकास विभाग को सहयोगी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिविर संबंधित क्लस्टर के चयनित ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर आयोजित होंगे। शिविरों में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के कर्मचारी उपस्थित रहकर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संभावित हितग्राहियों को शिविर तक लाने और योजना में उनका पंजीयन कराने में सहयोग करेंगे। सहायक श्रम आयुक्त को शिविरों में सीएससी की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा संबंधित श्रम निरीक्षकों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण विकास एवं महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारियों को भी निर्धारित शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कराने को कहा गया है।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत कलस्टरवार लगाये जाने वाले शिविरों में कुंडम विकासखंड के कलस्टर ग्राम कुंडम में 22 अक्टूबर को, इमलई में 23 अक्टूबर को, बघराजी में 27 अक्टूबर को, झिरमिला में 28 अक्टूबर को, चौरईकला में 30 अक्टूबर को एवं पड़रिया में 2 नवम्बर को शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार पाटन विकासखंड के कलस्टर ग्राम बोरिया में 22 अक्टूबर को, लोहारी काटी में 23 अक्टूबर को, नुनसर में 27 अक्टूबर को, उड़ना (सड़क) में 28 अक्टूबर को, सहसन (धनेटा) में 30 अक्टूबर को, सकरा में 2 नवम्बर को और कलस्टर ग्राम कटरा बेलखेड़ा में 3 नवम्बर को, विकासखंड पनागर के कलस्टर ग्राम रैपुरा में 22 अक्टूबर को, मोहास में 23 अक्टूबर को, सिंगलदीप में 27 अक्टूबर को, घाना में 28 अक्टूबर को और सिंगोद में 30 अक्टूबर को, विकासखंड मझौली के कलस्टर ग्राम इंद्राना में 22 अक्टूबर को, मुरेठ में 23 अक्टूबर को, रिवंझा में 27 अक्टूबर को, हटोली में 28 अक्टूबर को, रानीताल में 30 अक्टूबर को, धनगवां में 2 नवम्बर को और पौड़ा में 3 नवम्बर को, विकासखंड सिहोरा के कलस्टर ग्राम मझगवां में 22 अक्टूबर को, गांधीग्राम में 23 अक्टूबर को, गोसलपुर में 27 अक्टूबर को, फनवानी में 28 अक्टूबर को और गिदुरहा में 30 अक्टूबर को, विकासखंड शहपुरा के कलस्टर ग्राम बेलखेड़ा में 22 अक्टूबर को, नटवारा में 23 अक्टूबर को, चरगवां में 27 अक्टूबर को, सहजपुर में 28 अक्टूबर को, गंगई में 30 अक्टूबर को, कोहला में 2 नवम्बर को और मनकेड़ी में 3 नवम्बर को तथा जबलपुर विकासखंड के कलस्टर ग्राम धनपुरी में 22 अक्टूबर को, पिपरिया खुर्द में 23 अक्टूबर को, बरगी में 27 अक्टूबर को, हिनौतिया भोई में 28 अक्टूबर को, सुकरी में 30 अक्टूबर को, सालीवाड़ा गौर में 2 नवम्बर को, निगरी में 3 नवम्बर को और कलस्टर ग्राम घुंसौर में 4 नवम्बर को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने किए मां त्रिपुर सुंदरी के दर्शन-पूजन



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर आज जबलपुर स्थित मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर में सपरिवार दर्शन-पूजन किया। उन्होंने जगत जननी मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज ग्वारीघाट स्थित सिद्ध घाट पहुंचकर मां नर्मदा जी का पूजन-अर्चन किया। इसके बाद उन्होंने श्री सिद्ध धाम में 'श्री निर्विकार पथ' के प्रणेता श्री श्रीबाबाश्री जी के श्रीचरणों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

संपादकीय

कौन करेगा रिजीम चेंज

तख्तापलट लोकतंत्र की भाषा नहीं है। जनमत के जरिए सत्ताएं बाहर होती रही हैं और जनादेश प्राप्त दल या गठबंधन सत्तारूढ़ होते रहे हैं। भारत एक संप्रभु, गणतांत्रिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक राष्ट्र है। भारत में आज तक तख्तापलट नहीं किया जा सका। देश में सत्ता का हस्तांतरण एकदम सहज और सरल भाव के साथ हो जाता है। हम अब किसी मुगल बादशाह की सल्तनत का देश नहीं हैं। भारत बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका भी नहीं है और कभी हो भी नहीं सकता। इन देशों में एक निश्चित भीड़ ने विद्रोह किया और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड ?ा पड़ा। बांग्लादेश में तो 6 बार तख्तापलट किए जा चुके हैं। फिर भी इन देशों में नई सत्ता चुनाव के जरिए ही स्थापित हो पाई। हमारे देश में जो हुड़दंगी बांग्लादेश के कट्टरपंथी विद्रोह से प्रेरित हैं, वे मुगालते में हैं और कठपुतलियों की तरह सक्रिय हैं। वे भारतीय सत्ता का तिनका भी नहीं तोड़ सकते। भारत में 1977 से पहले कांग्रेस ही सत्ता में रहती थी, बेशक उसके टुकड़े होते रहते थे। आपातकाल के बाद 1977 में चुनाव हुए, तो पहली बार गैर-कांग्रेसी, जनता पार्टी की, सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। तब वाकई रिजीम चेंज, यानी व्यवस्था-परिवर्तन, हुआ था, क्योंकि जनता पार्टी की सरकार मानसिक, वैचारिक, कार्य-प्रणाली के तौर पर भी गैर-कांग्रेसी थी, लिहाजा भारत सरकार में कई स्तरों पर व्यवस्थाएं बदली गईं। हालांकि वह राजनीतिक प्रयोग, अंततः, नाकाम साबित हुआ। उसने निराश किया, वह विभाजित हो गया, अंततः 1980 में इंदिरा गांधी सरकार की वापसी हुई। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई सरीखे नेताओं को सीआईए एजेंट तक करार दिया था। राममनोहर लोहिया और तत्कालीन जनसंघ के नेता नारे लगाया करते थे-सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

बहरहाल मौजूदा संदर्भ में प्रख्यात अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बार-बार दोहरा कर बयान दिया है कि यह रिजीम चेंज, सत्ता-परिवर्तन की, लड़ाई है। हम युवाओं के नेतृत्व में रिजीम चेंज करके रहेंगे। उन्होंने ऐसे ही नारे अन्ना आंदोलन के दौरान भी लगाए थे। बेशक आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, लेकिन प्रशांत सरीखों को बाहर खदेड़ दिया गया। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का मानना है कि आपातकाल के बाद रिजीम चेंज हुई थी। यह विपक्ष का ही दायित्व है कि वह चुनाव के जरिए सत्ता-परिवर्तन कराए। दावे और नारे कुछ उलझ रहे हैं। सत्ता और व्यवस्था-परिवर्तन में भेद नहीं किया जा रहा और भीड़ मोदी की सत्ता को उखाड़ फेंकने की हुंकारें भर रही है। यदि समूचे विपक्ष की यही रणनीति है कि राजधानी दिल्ली और कुछ अन्य प्रमुख शहरों में भीड़ जुटा कर अराजकता फैलाई जाए, तो 2027 में ही उप्र, पंजाब समेत पांच राज्यों में चुनाव होने हैं। विपक्ष जोर लगाए, लामबंदियां बनाए और सत्ता-परिवर्तन के प्रयास करे। देश उन राज्यों के जनादेश देखना चाहेगा, लेकिन रिजीम चेंज के कोई आसार नहीं हैं। तिलचट्टों और कथित वामपंथी हुड़दंगियों के जरिए भारत जैसे विशाल, विविध देश की सत्ता और व्यवस्था नहीं बदली जा सकती। उसकी अरब स्प्रिंग से तुलना करना भी कुतर्क है। अक्सर शांत और सहज रहने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर गंभीर आरोप मढ़े हैं कि वह अराजकता फैला कर देश में आग लगाना चाहते हैं। उन्हें यह करने का कोई लाइसेंस नहीं मिला है। बहरहाल रिजीम चेंज या सत्ता-परिवर्तन इसलिए भी संभव नहीं है, क्योंकि 2029 तक का जनादेश और भरपूर बहुमत मोदी सरकार को हासिल है। वोट चोरी या मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दे दीर्घजीवी नहीं हैं, क्योंकि विपक्ष की मांगें असंवैधानिक हैं। आप सीईसी को सनातन खलनायक करार नहीं दे सकते। बेशक मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण में कई खामियां सामने आई हैं, हम भी मताधिकार की निरंतर पैरवी करते रहे हैं, लेकिन अब चुनाव आयोग विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के जरिए 17 राज्यों में गलतियां सुधार रहा है।

सियासी दलों को सुप्रीम कोर्ट का सबक

योगेंद्र योगी

> सीजेआई ने दूरदर्शिता अपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाएं और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सकें। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट, प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक पक्ष में अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट है

देश के सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वह राजनीतिक दलों की सत्ता को लेकर चल रही मारामारी के बीच अखाड़ा नहीं बनेगा। सुप्रीम कोर्ट सिर्फ कायदे कानून और संविधान के दायरे में रह कर ही काम करेगा। दरअसल यह संदेश सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के जरिए तमाम राजनीतिक दलों को दिया, जोकि सुप्रीम कोर्ट के जरिए राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई गलतफहमी या अफवाह फैले, इससे पहले ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पत्रकार वार्ता आयोजित की। सीजेआई ने यह कदम इसलिए उठाया कि नेता कहीं बात का बतंगड़ नहीं बना दे और उसमें सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था कि वे उन्हें एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे जिसमें वोट चोरी रोकने, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के एसआईआर को रोकने और पुनः मतपत्र प्रणाली पर लौटने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह मांग यह कहते हुए ठुकरा दी कि यदि सुनवाई चाहते हो तो रिट याचिका दायर करो। सीजेआई ने राहुल गांधी के आधिकारिक ईमेल के जवाब में कहा कि इस तरह की मुलाकात उचित नहीं होगी, क्योंकि जिन मुद्दों पर चर्चा की मांग की गई है, वे पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं।

इसी के साथ सीजेआई ने दूरदर्शिता अपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कांफ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाएं और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सकें। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट, प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक पक्ष में अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में एक दो बार ही ऐसा हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मीडिया के जरिए कोई जानकारी दी गई है, वरना तो मीडिया ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और सुनवाई की जानकारी देता है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में जजों द्वारा मीडिया से सीधे संवाद करने या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का सबसे चर्चित मौका 12 जनवरी 2018 को आया था। सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों जस्टिस जे. चेलामेश्वर, जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस मदन बी. लोकूर और जस्टिस कुरियन जोसेफ ने एक ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भारतीय न्यायिक इतिहास में यह पहला अवसर था जब वर्तमान जजों ने इस तरह मीडिया को संबोधित किया था। इन जजों ने तब के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ रोस्टर और प्रशासनिक कामकाज को लेकर सार्वजनिक सवाल उठाए थे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट अपनी अधिकांश जानकारी और फैसले आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, अपनी वेबसाइट और सुनवाई के जरिए ही साझा करता है। हाल के दौर में अदालत ने न्यायिक कार्यवाही के लाइव-स्ट्रीमिंग और उसके डिजिटल क्लिप्स के कमर्शियल इस्तेमाल को लेकर भी कड़े नियम तय किए हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने मीडिया के सामने स्पष्ट किया था कि मुझे कल बैठक के अनुरोध के संबंध में एक पत्र मिला था। मैंने कल रात ही उसका जवाब दे दिया था, जिसमें उन कारणों का उल्लेख किया गया था कि मैं क्यों नहीं मिल पाऊंगा। सीजेआई ने आगे कहा, सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं।

किसी भी आम नागरिक या निर्वाचित निकाय के सदस्य की किसी भी याचिका का स्वागत है। हर भारतीय नागरिक को अदालत का दरवाजा खटखटाने का अधिकार है। हम उनकी चिंताओं को सुनेंगे और कानून के तहत जो भी उचित होगा, वह करेंगे। सुप्रीम कोर्ट से स्थिति स्पष्ट होने के बाद इंडिया गठबंधन के दलों के पास अपनी मांगों को लेकर कानूनी प्रक्रिया अपनाने का एक ही रास्ता बचा था, वह था रिट याचिका के जरिए न्याय का तकाजा। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक पैदल मार्च निकाला और रिट याचिका दायर की, जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पार्टी बनाया गया है। दरअसल इससे पहले सीजेआई से अकेले ही मुलाकात की मांग करके कांग्रेस ने यह साबित करने की कोशिश की थी, इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वही करती है। बाकी सब उसके पीछे हैं, किन्तु सीजेआई द्वारा मिलने से इंकार करने से कांग्रेस को अपने दाव में सफलता नहीं मिल सकी। जब सीजेआई ने मिलने से इंकार कर दिया और कानूनी तरीका अपनाने की सलाह दी, तब गठबंधन के बाकी नेताओं को भी साथ लेकर याचिका दायर की गई। सुप्रीम कोर्ट ने जाहिर कर दिया कि गैर कानूनी और गैर संवैधानिक तरीके से इंडिया गठबंधन के नेताओं के मंसूबे कामयाब नहीं होने देगा। जो भी करेगा संविधान के दायरे में करेगा, अन्यथा सुप्रीम कोर्ट की साख पर भी बट्टा लग सकता है।

यह भी निश्चित है कि कांग्रेस और विपक्षी दलों को कोई खास सफलता सुप्रीम कोर्ट से हाथ नहीं लगने वाली, सिवाय एसआईआर में कुछ प्रशासनिक आदेश निर्देश के, क्योंकि ज्ञानेश कुमार को हटाया नहीं जा सकता, उन्हें संविधान का संरक्षण प्राप्त है। केवल संसद में महाभियोग के जरिए ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाया जा सकता है, वह इसलिए पूरा नहीं होगा कि संसद में मोदी सरकार का बहुमत है। इससे पहले भी राजनीतिक इरादों को पूरा करने के विपक्षी दलों के मंसूबों पर सुप्रीम कोर्ट पानी फेर चुका है। नवम्बर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने देश में चुनावों में धांधली का आरोप लगाने वाली एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया था। पीठ ने कहा था कि जब आप चुनाव जीतते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं होती। जब आप चुनाव हार जाते हैं, तो छेड़छाड़ हो जाती है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर तीखा व्यंग्य करते हुए पूछा कि ये याचिका दायर करने संबंधित आपको शानदार विचार कैसे मिला?

जीएसटी सुधारों से मजबूत होती आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

निश्चित रूप से विगत 9 वर्षों में शुरूआती चुनौतियों के बाद जीएसटी व्यवस्था में किए गए सुधारों, कर दरों के पुनर्गठन और कारोबारी सुगमता बढ़ाने के उपायों का उद्योग-कारोबार के साथ अर्थव्यवस्था को लाभ मिला है। पिछले वर्ष सितंबर 2025 में जीएसटी परिषद ने कर स्लैब की समीक्षा की और इस समीक्षा के बाद पुराने चार मुख्य स्लैब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत तथा उपकर के स्थान पर मुख्य रूप से दो स्लैब, 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिए गए हैं। इससे खपत बढ़ी है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जीएसटी का पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए पेट्रोल, डीजल, बिजली और प्राकृतिक गैस जैसी वस्तुओं को जीएसटी के दायरे में लाना अभी बाकी है। जीएसटी परिषद को अभी जीएसटी से बाहर रखी गई वस्तुओं पर एक स्पष्ट खाका तैयार करने की दिशा में आगे बढ ?ा होगा। ऐसा होने पर पूरी मूल्य श्रृंखला में दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।



इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में निरंतर सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूती मिल रही है। इस समय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिवेश से जुड़ी हुई विभिन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच एक बार फिर जीएसटी संबंधी नए सुधारों से अर्थव्यवस्था को धार मिलेगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि 13 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। अब जीएसटी सुधारों से आगामी वित्त वर्ष में भी भारत की विकास दर बढ ?ा की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित 57वीं जीएसटी परिषद की बैठक में करीब 9 साल बाद जीएसटी को सरल एवं बेहतर बनाने के लिए बड़े बदलाव किए गए हैं। ये बदलाव कोई एक साल पहले जीएसटी दरों और स्लैब को कम करने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम के बाद अब जीएसटी व्यवस्था को और कारगर व प्रभावी बनाने के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं। जीएसटी परिषद के नए फैसले पंजीकरण, टैक्स रिटर्न, रिफंड, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी), कर प्रवर्तन, निर्यात, विवाद निपटान और विभिन्न प्रदेशों के बीच माल की आवाजाही से जुड़े नियमों को सरल और लाभप्रद बनाने से संबंधित हैं। वस्तुतः व्यापार सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और कर अनुपालन के सरलीकरण पर केंद्रित हैं। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद के द्वारा निर्धारित नई व्यवस्था के अनुसार अब जीएसटी अधिकारी कारोबारियों को जीएसटी कानून का हवाला देकर गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे तथा इसके लिए उन्हें कोर्ट से आदेश लेना होगा। कर अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्तियों को समाप्त करने और अभियोजन की सीमा को बढ़ाए जाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं।

इससे कर आतंक का डर खत्म होगा और ईमानदारी से व्यापार करने वालों का भरोसा बढ़ेगा। परिषद ने इनपुट टैक्स क्रेडिट और रिफंड की प्रक्रियाओं को बेहद तेज और पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया है। रिफंड दावों को जोखिम मूल्यांकन के आधार पर अधिकांश मामलों में तत्काल स्वीकृति देने और रिफंड पावती की अवधि घटाए जाने के प्रस्तावों से व्यवसायों के पास नकदी का प्रवाह (लिक्विडिटी) बढ़ेगा, जिससे वे नया निवेश कर सकेंगे। कुल कर देनदारी 10000 रुपए से कम होने पर जीएसटी के तहत कारण बताओ नोटिस नहीं दिए जाने, धारा 125 के तहत सामान्य जुमार्ने की सीमा घटाए जाने और भारतीय कंपनियों के विदेशी कारोबार को कुछ शर्तों के साथ निर्यात माने जाने संबंधी सिफारिशों से उद्योग-कारोबार के विकास का नया दौर शुरू होगा। खास तौर से छोटे और असंगठित विक्रेताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के वेयरहाउस का उपयोग कर बिना जटिलताओं के व्यापार करने की अनुमति मिलने से डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी परिषद द्वारा मंजूर किए गए नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी, अनुपालन (कंप्लायंस) लागत में कमी आएगी और करदाताओं को ऑटोमेटेड रिफंड की सुविधा मिलेगी। पीएम के अनुसार, इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य भरोसे पर आधारित प्रशासन को बढ़ावा देना और जीएसटी प्रणाली को अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाना है। उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई 2017 से देश में लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली पिछले चार दशकों में धीरे-धीरे किए गए अप्रत्यक्ष कर सुधारों का एक व्यवस्थित पड़ाव है। जीएसटी कर सुधारों की नींव 1976 की एलके झा समिति की सिफारिशों से पड़ी, जिसने जटिल उत्पाद शुल्क यानी एक्साइज ड्यूटी को समाप्त कर संशोधित मूल्य वर्धित कर यानी मॉडवैट लागू करने का सुझाव दिया था। फिर वर्ष 1987 में मॉडवैट लागू होने से भारतीय कर व्यवस्था में पहली बार इनपुट टैक्स क्रेडिट की अवधारणा ने आकार ग्रहण किया।

इसके बाद 2000 के दशक की शुरूआत में डा. विजय केलकर टास्क फोर्स ने एक एकीकृत नेशनल जीएसटी मॉडल का प्रस्ताव रखा। इसके उपरांत राज्य वित्त मंत्रियों के एम्पावर्ड ग्रुप ने रेवेन्यू न्यूट्रल रेट, प्लेस ऑफ सप्लाई नियमों और अंतरराज्यीय लेनदेन के लिए क्लियरिंग हाउस मैकेनिज्म पर काम किया, लेकिन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के कार्यकाल में यह सुधार लागू नहीं हो सका। फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की दृढ़ता और संवैधानिक संशोधन के बाद 1 जुलाई 2017 से देशभर में एकीकृत जीएसटी व्यवस्था लागू हुई। जीएसटी लागू होने के बाद से भारत के अप्रत्यक्ष कर ढांचे और कर आधार यानी टैक्स बेस में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला यानी सप्लाई चेन के डिजिटलीकरण से असंगठित क्षेत्र औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ा, जिससे कर चोरी पर अंकुश लगा। कर अनुपालन यानी टैक्स कंप्लायंस को बेहतर बनाने के लिए ई-वे बिल और ई-इन्वॉयसिंग जैसे तकनीकी उपायों को लागू किया गया। इन प्रशासनिक और तकनीकी सुधारों के परिणामस्वरूप, जहां वर्ष 2017-18 में मासिक राजस्व संग्रह 90 हजार करोड़ के आसपास रहता था, वहीं अब यह निरंतर बढकर पिछले माह सितंबर 2026 में 2 लाख करोड रुपए के पार पहुंच चुका है, जो भारतीय कर प्रणाली की दक्षता को दशार्ता है। अप्रत्यक्ष करों के इस क्रमिक विकास का सफर भारत के आर्थिक संघवाद यानी इकोनॉमिक फेडरलिज्म और प्रशासनिक परिपक्वता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस व्यवस्था ने न केवल ह्यएक राष्ट्र, एक कर, एक बाजारह्ल के संकल्प को साकार किया है, बल्कि सरकारी राजस्व संग्रह में तीव्र वृद्धि लाकर देश में बुनियादी ढांचे और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के वित्तपोषण को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। निश्चित रूप से अब सभी नए प्रक्रियागत जीएसटी सुधारों से जहां जीएसटी संबंधी मुश्किलों का सामना कर रहे एमएसएमई, स्टार्टअप्स और छोटे व्यापारियों को बड़ा लाभ होगा, वहीं कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, महंगाई और कमजोर मानसून जैसी चुनौतियों का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार पकड़ने में मदद मिलते हुई दिखाई देगी।

निश्चित रूप से विगत 9 वर्षों में शुरूआती चुनौतियों के बाद जीएसटी व्यवस्था में किए गए सुधारों, कर दरों के पुनर्गठन और कारोबारी सुगमता बढ़ाने के उपायों का उद्योग-कारोबार के साथ अर्थव्यवस्था को लाभ मिला है। पिछले वर्ष सितंबर 2025 में जीएसटी परिषद ने कर स्लैब की समीक्षा की और इस समीक्षा के बाद पुराने चार मुख्य स्लैब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत तथा उपकर के स्थान पर मुख्य रूप से दो स्लैब, 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिए गए हैं। इससे खपत बढ़ी है।

न्यूज ब्रीफ

गरबा में विवाद के बाद युवक के घर पहुंचकर मारपीट: पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

ग्वालियर। माधौगंज थाना क्षेत्र में गरबा-डांडिया कार्यक्रम के दौरान हुआ विवाद दो दिन बाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि रविवार शाम आरएसएस पदाधिकारी बसंत गोडयाल अपने साथियों के साथ मुर्गी फार्म के पास रहने वाले रुद्र प्रताप सिंह राजौरिया के घर पहुंचा। वहां रुद्र प्रताप को घर से बाहर खींचकर उनके साथ मारपीट की गई और फिर फायरिंग कर दी गई। एक गोली रुद्र प्रताप के बाएं हाथ में लगी और आर-पार निकल गई। घायल को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक, दो दिन पहले अचलेश्वर महादेव मंदिर के पास स्थित GYMC में गरबा-डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी दौरान आरएसएस पदाधिकारी बसंत गोडयाल और रुद्र प्रताप सिंह राजौरिया, पुत्र डॉ. पीएस राजौरिया, के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय मामला शांत करा दिया गया था, लेकिन रविवार को विवाद फिर बढ़ गया। रविवार शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच माधौगंज थाना क्षेत्र के मुर्गी फार्म के पास घटना हुई। आरोप है कि बसंत गोडयाल अपने साथियों के साथ रुद्र प्रताप के घर पहुंचा। घर के बाहर उनके साथ मारपीट की गई और फायरिंग की गई। गोली रुद्र प्रताप के बाएं हाथ में लगी और आर-पार निकल गई। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे।

ऑनलाइन गेमिंग की लत ने बनाया कातिल: कर्ज के लिए युवक को कुल्हाड़ी से काटा

ग्वालियर। में आधी रात घर से बुलाकर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने वालों में मुख्य आरोपी राधे गुर्जर के मोबाइल और डिजिटल डेटा ने कई राज खोल दिए हैं। राधे ऑनलाइन गेमिंग की बुरी लत थी। इस ऑनलाइन गेमिंग के लिए वह मृतक (पुरुषोत्तम) से रुपए मोटे ब्याज पर उधार लेता था। कुछ समय पहले तक यह मृतक के ब्याज के धंधे को संभालता था, लेकिन गड़बड़ी और कर्ज ज्यादा होने पर इसे काम से हटा दिया था। पुलिस ने आरोपियों को दो दिन की रिमांड पर लिया है। जब राधे का अकाउंट खंगाला तो आश्चर्य चकित करने वाला डेटा मिला है। पिछले एक महीने में राधे ने 35 लाख रुपए अपने अकाउंट से खर्च किए हैं। यह पूरा पैसा उसने ऑनलाइन गेमिंग में लगाया था और यही उस पर कर्ज था। ग्वालियर में बुधवार (14 अक्टूबर) की सुबह 8 बजे के लगभग केदारपुर छोटी मढैया गांव के पास किसी एक खेत में गांव में ही रहने वाले 35 वर्षीय पुरुषोत्तम गुर्जर का शव पड़ा मिला था। घटना स्थल पर फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने जांच की थी। प्रारंभिक पड़ताल में ही गर्दन पर पांच व सिर पर दो घाव की पुष्टि हो गई। इतनी बेरहमी से हत्या बता रही थी कि हत्या आरोपियों के दिल में मृतक के लिए बहुत नफरत थी। मृतक की जेब से लेनदेन की एक पर्ची मिली थी, जिसके बाद यह साफ हो गया था कि हत्या की वजह लेनदेन ही है। जब पुलिस ने संदेहियों की लिस्ट तलाशी तो यह चार नाम भी मिल गए थे, जिनको खंगाला तो पूरी कहानी सामने आ गई। पूछताछ में सामने आया कि गांव 'छोटी मडईयां' के रहने वाले रमन गुर्जर, राधे उर्फ राधाकृष्ण गुर्जर, छोटू उर्फ राहुल और विजय उर्फ खैरी ने पुरुषोत्तम से 20 फीसदी की अत्यधिक ब्याज दर पर लाखों रुपए कर्ज ले रखे थे। पुरुषोत्तम रोज तगादा करता और लगातार दबाव बना रहा था। गांव में कहीं भी किसी के भी सामने बेइज्जत करता था। तंग आकर हत्या से 3 दिन पहले गांव के चबूतरे पर बैठकर चारों ने उसकी हत्या का प्लान तैयार किया था और 13-14 अक्टूबर की दरमियानी रात उसकी हत्या कर दी। झांसी रोड थाना पुलिस ने पड़ताल की तो पता लगा कि आरोपी राधे गुर्जर को ऑनलाइन गेमिंग का जानलेवा चस्का लगा हुआ था। इस लत को पूरा करने के लिए वह मृतक पुरुषोत्तम से बेतहाशा ब्याज पर पैसा उधार लेता था। पहले राधे ही पुरुषोत्तम के ब्याज का पूरा कारोबार संभालता था। लेकिन जब राधे पर चार गुना ब्याज का कर्ज चढ़ गया, तो दोनों के बीच कड़वाहट आ गई। इसके बाद राधे ने रमन (हत्या आरोपी) के जरिए पुरुषोत्तम से लेन-देन शुरू कराया, जिससे पुरुषोत्तम का भरोसा रमन पर कायम हो गया।

हादसे में मृत हुए लोगों के परिजनों के प्रति शोक संवेदनायें व्यक्त कीं

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया एवं उद्यानिकी मंत्री कुशवाह ने ट्रॉमा सेंटर पहुँचकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार रविवार की दरम्यानी रात शीतला माता मंदिर के समीप ट्रक हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु की सूचना मिलने पर दुःख व्यक्त करते हुए सभी मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदनायें व्यक्त की हैं। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं प्रदेश के उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह रविवार को जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर पहुँचे और दुर्घटना में घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने अस्पताल पहुँचकर घायलों के स्वास्थ्य का हालचाल जाना और उनके परिजनों से चर्चा की। उन्होंने अस्पताल प्रबंधकों से कहा है कि घायलों का समुचित उपचार हो, यह सुनिश्चित किया जाए। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं मंत्री श्री कुशवाह ने हादसे में मृत हुए सभी श्रद्धालुओं के प्रति गहरा दुःख व्यक्त किया है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के साथ विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया व पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी ट्रॉमा सेंटर पहुँचे।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हादसे पर जताई गहरी शोक संवेदना

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में हुए भीषण हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के माध्यम से कहा कि यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक एवं हृदयविदारक है। माँ शीतला के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के असामयिक निधन का समाचार सुनकर मन अत्यंत व्यथित है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि वे मध्य प्रदेश शासन एवं जिले के प्रभारी मंत्री के निरंतर संपर्क में हैं। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों एवं घायलों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, सभी घायलों का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस दुःख की घड़ी में उनकी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। उन्होंने माँ जगदम्बा से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें, शोकसंतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें तथा सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।



313 वृंदावन-गांवों में लागू है गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मप्र में गाय पालन वाले गो-पालकों के लिए शुरू हुई गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना की शर्तें तय हो गई हैं। यह ईनाम उसी गो-पालक को मिलेगा, जिसकी गाय एक दिन में छह लीटर या इससे अधिक दूध का उत्पादन करती है। यानि जिसकी गाय अधिकतम दूध देगी, उसे एक लाख का पुरस्कार मिलेगा। इसके बाद की श्रेणी में 50 हजार और फिर 25 हजार रुपए का ईनाम दिया जाएगा। दूध उत्पादन के हिसाब से मैरिट सूची बनेगी, उसी आधार पर पहले तीन प्रतिभागियों का चयन होगा।

इसके लिए बाकायदा 313 ब्लॉक में दो दिवसीय की एक प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसके लिए भी सरकार 50 हजार रुपए खर्च करेगी। प्रतियोगिता वाली राशि से दो दिन तक प्रतिभागियों की गायों को चारा-पानी मिलेगा।

टेंट-पांडाल समेत अन्य खर्चे होंगे। प्रत्येक ब्लॉक में सरकार ने एक वृंदावन गांव का चयन किया है। इसी गांव के प्रतिभागी प्रतियोगिता में शामिल होंगे। वृंदावन गांव जिसकी आबादी 2000 से कम हो और उस गांव में कम से कम 500 गोवंश पलता हो। प्रतियोगिता से पहले गो-पालकों का पंजीयन भी किया जाएगा। यहां बता दें कि 3 अक्टूबर 2026 को ही सीएम ने इसकी घोषणा की है। जानकारी के मुताबिक मप्र में इस समय 1.57 करोड़ गो-वंश है। वर्तमान यह प्रतियोगिता सिर्फ सीमित वृंदावन ग्रामों तक है। इसके बाद पुरस्कार योजना का विस्तार होगा।

एक साल में 7 करोड़ खर्च

गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना हर साल करने की तैयारी है। पांच साल का बजट करीब 35 करोड़ रुपए रखा गया है। शुरूआत 2026-27 से हो रही जो 2030-31 तक चलेगी। एक साल में इस पर 7.05 करोड़ रुपए खर्च होंगे। ईनाम के साथ इस राशि में प्रतियोगिता पर खर्च होने वाले 50 हजार रुपए भी शामिल हैं। वर्तमान में दूध का उत्पादन 9% है, इसे बढ़ाकर 20% तक करना है।

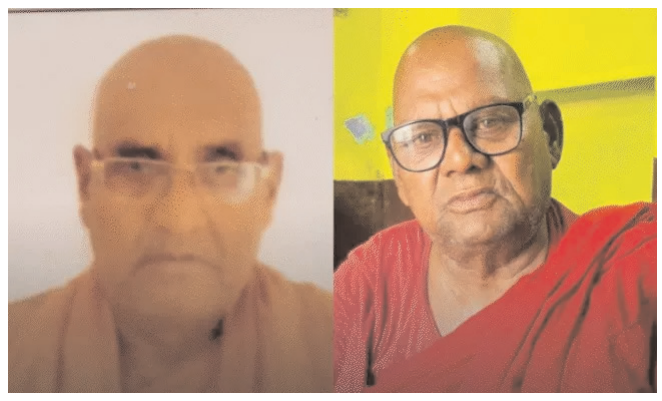
फर्जी पासपोर्ट में 100 से ज्यादा आरोपी, गिरफ्तारी सिर्फ 7: इंडियन पासपोर्ट से 56 देशों में आसान एंट्री

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

एमपी में बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट दिलाने वाले रैकेट की जांच में बड़े खुलासे हुए हैं। स्पेशल टास्क फोर्स ने अब तक 100 से अधिक आरोपियों को चिन्हित किया है, लेकिन गिरफ्तारियां सिर्फ 7 की हुई हैं। इनमें पासपोर्ट बनवाने वाले नेटवर्क के कथित सरगना, एजेंट, गवाह और फर्जी सत्यापन कराने में शामिल लोग हैं।

करीब सवा महीने की जांच में यह भी सामने आया है कि मध्यप्रदेश में बने 70 संदिग्ध पासपोर्ट के जरिए 120 से ज्यादा विदेश यात्राएं की गईं। अब रळक्ष्यह पता लगा रही है कि इन पासपोर्ट का इस्तेमाल कर विदेश गए कितने लोग वापस भारत नहीं लौटे।

जांच में पासपोर्ट बनवाने के लिए फर्जी पते, पहचान और सत्यापन दस्तावेजों के इस्तेमाल की बात सामने आई है। संदिग्ध पासपोर्ट पर डबरा, भोपाल और बैतूल के बौद्ध मठों व विहारों के पते दर्ज होने की जानकारी मिली है। जांच का दायरा अब पासपोर्ट बनवाने वाले नेटवर्क से आगे बढ़कर पुलिस सत्यापन, पासपोर्ट शाखा और दस्तावेज जारी करने वाले संबंधित अमले तक पहुंच गया है।



50 कर्मचारी-अधिकारी भी जांच के दायरे में

STF ने अब तक 100 से अधिक लोगों को इस मामले में चिन्हित किया है। इनमें फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले लोगों के अलावा पासपोर्ट शाखा, पुलिस सत्यापन और थानों में सत्यापन से जुड़े कर्मचारी व अधिकारी भी शामिल बताए गए हैं। इसके अलावा फर्जी दस्तावेजों में गवाह बनने वाले और बांग्लादेशी नागरिकों को मठों में ठहराने या उनके दस्तावेजों के सत्यापन में भूमिका निभाने के संदेह वाले लोगों की भी जांच की जा रही है। जांच का अहम पहलू यह है कि फर्जी दस्तावेज तैयार होने से लेकर पुलिस सत्यापन और पासपोर्ट जारी होने तक अलग-अलग स्तर पर किसकी क्या भूमिका रही। STF इन कड़ियों को जोड़कर नेटवर्क की पूरी कार्यप्रणाली का पता लगाने में जुटी है।

भारतीय पासपोर्ट की पहुंच का फायदा उठाने का आरोप

जांच में सामने आया है कि रैकेट से जुड़े लोगों ने भारतीय पासपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय पहुंच को ध्यान में रखकर इसे हासिल करने की कोशिश की। पूछताछ में रियाल चौधरी के हवाले से बताया गया कि भारतीय पासपोर्ट की अच्छी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग और कई देशों में आसान प्रवेश की सुविधा इसकी मांग की वजह थी। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की फरवरी 2026 की रैंकिंग के अनुसार, भारतीय पासपोर्ट 75वें स्थान पर बताया गया है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट धारकों को 56 देशों में बिना पूर्व वीजा या वीजा ऑन अराइवल जैसी सुविधा मिलती है। हालांकि, इन सुविधाओं की शर्तें देश के अनुसार अलग-अलग होती हैं।

रतनगढ़ माता मंदिर में अष्टमी पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए माता रानी के दर्शन



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर/दतिया

रतनगढ़ माता मंदिर में शारदीय नवरात्रि की अष्टमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयूर खंडेलवाल के निर्देशन में श्रद्धालुओं को सुगम एवं व्यवस्थित दर्शन कराने के लिए प्रशासन एवं पुलिस का अमला मुस्तैदी से तैनात रहा।

मंदिर परिसर एवं श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले मार्गों पर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के साथ ही सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सतत सक्रिय रहकर व्यवस्थाओं का संचालन किया। प्रशासनिक अमले की तत्परता से श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा व्यवस्था बनाए रखने के लिए समन्वित प्रयास किए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम दर्शन प्रशासन की प्राथमिकता रही। नवरात्रि पर्व के दौरान बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है।

दशहरा कार्यक्रम के आयोजन को लेकर प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश 20 अक्टूबर को रामलीला मंचन, आतिशबाजी एवं रावण-कुंभकर्ण दहन कार्यक्रम होगा आयोजित

दतिया। दशहरा पर्व के अवसर पर दतिया में आयोजित होने वाले रामलीला मंचन एवं रावण-कुंभकर्ण दहन कार्यक्रम के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी, दतिया द्वारा अनुमति प्रदान करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 को शाम 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम, रात्रि 9 बजे से आतिशबाजी तथा रात्रि 10 बजे रावण एवं कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए आयोजक समिति को निर्धारित दिशा-निदेर्शों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी निदेर्शों का पालन करना अनिवार्य होगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाएगा तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखी जाएगी, जिससे आमजन को आवागमन में असुविधा न हो। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के निदेर्शों का पालन करने तथा आतिशबाजी एवं पुतला दहन के दौरान आवश्यक सुरक्षा सावधानियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कार्यक्रम में सामाजिक सद्भाव एवं शांति बनाए रखने, किसी भी जाति, धर्म या समुदाय के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी अथवा उत्तेजनापूर्ण भाषा का प्रयोग नहीं करने तथा हथियारों का प्रदर्शन नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने आयोजक समिति से सभी निर्धारित दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए दशहरा पर्व के कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करने हेतु निर्देश जारी किए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने ट्रॉमा सेंटर पहुँचकर घायल लोगों के इलाज की जानकारी ली



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अस्पताल प्रबंधन से कहा संवेदनशीलता के साथ करें बेहतर से बेहतर इलाज

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने जेएएच के ट्रॉमा सेंटर पहुँचकर शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुःखद दुर्घटना में घायल लोगों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने जीआर मेडीकल कॉलेज के अधिष्ठाता, जेएएच प्रबंधन एवं घायलों का इलाज कर रहे चिकित्सकों से चर्चा कर संवेदनशीलता के साथ उपचार करने के लिये कहा। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने इस हृदय विदारक दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि एवं उनके परिजनों के प्रति शोक संवेदनायें व्यक्त की । साथ ही ईश्वर से घायलों को जल्द से जल्द स्वस्थ करने की प्रार्थना की है। विधानसभा अध्यक्ष ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार द्वारा सभी घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज कराया जायेगा। सरकार संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ है।

संक्षिप्त समाचार

हांगकांग सिक्सेस 2026

क्रुणाल पंड्या होंगे भारत के कप्तान, भुवनेश्वर की जगह खेजरोलिया को मौका

नई दिल्ली । हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या करेंगे। पहले भारतीय टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करने वाले थे, लेकिन 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में उनके चयन के बाद क्रुणाल को यह जिम्मेदारी दी गई। भुवनेश्वर कुमार की जगह हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम में क्रुणाल पंड्या और कुलवंत खेजरोलिया के अलावा शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश



राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। साथ ही, टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिहाज से संतुलित और मजबूत है। क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा, 'हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में भुवनेश्वर कुमार को जरूर मिस करेंगे, लेकिन हमें उन्हें नेशनल टीम में बुलावा मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। चार साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी एक खास मील का पत्थर है, और हम भारत के न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी हर सफलता की कामना करते हैं। हम भविष्य में हांगकांग सिक्सेस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

रणजी ट्रॉफी

यशस्वी जायसवाल मुंबई की टीम से बाहर, अंगकृष रघुवंशी को मिली जगह

मुंबई । मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होने वाले अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मुंबई की टीम में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ बिलासपुर में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाले मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यशस्वी जायसवाल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। दरअसल, यशस्वी को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलना है। न्यूजीलैंड में 24 अक्टूबर से इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने वाली है और यशस्वी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा हैं।



मुंबई की टीम

सिद्धेश लाड (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, सूर्यांश शेडगे, दिव्यांश सक्सेना, सरफराज खान, मुशीर खान, सुवेद पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, अथर्व अंकोलेकर, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा और ओंकार तरमले।



न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे और टेस्ट टीम घोषित

वनडे में 2 अलग कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल को कमान सौंपी गई है, जबकि आखिरी दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे। शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे और श्रेयस अय्यर उनके डिप्टी (उप-कप्तान) होंगे। वहीं, आखिरी दो मैचों में बदलाव करते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को चौथे और पांचवें वनडे के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। इनके साथ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल और नमन धीर भी टीम में शामिल हैं। वहीं, नियमित विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल, तेज गेंदबाज



अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ शुरुआती तीन वनडे मैचों में ही खेलेंगे। इसके बाद वे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रवाना होंगे।

अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा और तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया है।

वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव।

चौथे और पांचवें मैच के लिए भारत की वनडे टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर/उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

भारत की टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर)*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज।

यह कैसी तैयारी

वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह : 2023 के बाद खेले हैं सिर्फ दो वनडे मैच

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान हो चुका है। बुमराह की टेस्ट में तो वापसी हुई है लेकिन एक बार फिर उन्हें वनडे टीम में नहीं रखा गया है। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए बुमराह को पांच मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर उन्हें सिर्फ टेस्ट टीम में रखा गया है। बुमराह ने पिछले वनडे विश्व कप 2023 के बाद से अब तक सिर्फ दो एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। साल 2024 और 2025 में बुमराह ने एक वनडे मैच तक नहीं खेला। 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुमराह को टीम में रखा गया। दो वनडे मैच खेलने के बाद बुमराह चोटिल हो गए थे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेल सके थे। अब सवाल यह है कि अगर भारतीय टीम अगले साल साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है, तो बुमराह को ज्यादा से ज्यादा वनडे मैचों में खेलने का मौका क्यों नहीं मिल रहा है। बुमराह की फॉर्म पर किसी को कोई शक नहीं है। हालांकि, वनडे मैचों के हिसाब से बुमराह की फिटनेस और माइंडसेट को तैयार रखना जरूरी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई घरेलू वनडे सीरीज में भी बुमराह को टीम में नहीं रखा गया था और उन्हें एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने गई टीम के साथ भेजा गया था। इस पूरे टूर्नामेंट में बुमराह ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की, जो एक वनडे मैच के स्पेल से भी कम है। न्यूजीलैंड दौरे पर बुमराह को तेज गेंदबाजों के लिए मददगार कंडिशंस में आजमाने का अच्छा मौका था।



अगरकर के जाने के बाद भी मौका नहीं, क्या टीम इंडिया में वापसी के रास्ते शमी के लिए क्या अब बंद हो चुके हैं?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर से नजरअंदाज किया गया है। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान ओझा को अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बनाया गया था। प्रज्ञान ने अंतरिम मुख्य चयनकर्ता के रूप में न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए अपनी पहली टीम को मंजूरी दी। इस टीम में सबसे चौंकाने वाला नाम भुवनेश्वर कुमार का था। 36 साल के भुवनेश्वर कुमार की 4 साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई थी। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 के लिए भी इंजर्ड अर्शदीप की जगह टीम इंडिया में शामिल कर लिया गया है और वह संभवत : प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। भुवनेश्वर कुमार की वापसी ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी की



उम्मीद जगाई थी। शमी 9 मार्च 2025 (चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल) के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हर फॉर्मेट खेला और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी फॉर्म और फिटनेस का सबूत दिया। वह अभी भी रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने शमी को हमेशा नजरअंदाज किया। इस दौरान भुवनेश्वर कुमार के साथ भी ऐसा ही हुआ। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद वह टीम इंडिया से बाहर रहे।

अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बने और उनकी पहली टीम में ही भुवनेश्वर कुमार थे। इसके बाद शमी का न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की संभावना बढ़ गई, खासकर जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में उनका चयन तय माना जाने लगा। लेकिन, शुक्रवार को जब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा हुई, तो शमी का नाम फिर नदारद था।

पहला टी20: डेब्यूटेंट निकी के साथ दीप्ति ने जुटाए 82 रन,

भारत ने जिम्बाब्वे को 4 विकेट से हराया



रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे को 4 विकेट से मात दी।

इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष दो मैच 18 और 20 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं, जिसके बाद तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज आयोजित होगी। रायपुर में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर सिर्फ 114 रन बनाए। इस टीम ने 7 के स्कोर पर बिलव्ड बिजा (0) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद केलिस नधलोवु ने मोडेस्टर मुपाचिकवा के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन जुटाकर मेहमान टीम को संभाला। मुपाचिकवा 16 रन बनाकर आउट हुईं।

इसके बाद शार्ने मेयर्स ने नधलोवु के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन, जबकि न्याशा ग्वानजुरा के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया।

निकी प्रसाद को स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया

भारत के लिए युवा ऑलरआउंडर निकी प्रसाद इस मैच में डेब्यू किया। उन्हें मुकाबले से पहले कप्तान स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया। कैप मिलने के बाद साथी खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और अनुष्का शर्मा ने गले लगाकर उन्हें बधाई दी।



उप-कप्तानी एक बड़ी जिम्मेदारी, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत निडर होकर खेलना चाहता है: शेफाली वर्मा

रायपुर। शेफाली वर्मा को हाल ही में भारतीय महिला टी20 क्रिकेट टीम की उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले शेफाली ने कहा कि भारतीय टीम के नेतृत्व समूह में उनकी भूमिका सिर्फ इस पद तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि टीम अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में निडर और समझदारी भरा टी20 क्रिकेट खेलने का लक्ष्य लेकर चल रही है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेगी। इसकी शुरुआत शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज से होगी। रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने वाले सीरीज के शुरुआती मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेफाली ने कहा, 'उप-कप्तानी की बात करें तो, मैंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी भी की है, इसलिए मेरे पास इसका अनुभव है। मुझे पता है कि उप-कप्तानी सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें हर एक खिलाड़ी का ख्याल रखना है और यह सुनिश्चित करना है कि वे मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार और सहज रहें। मैं बस यही कोशिश कर रही हूं कि हर खिलाड़ी सहज महसूस करे और कप्तान की मदद कर सकूं।'



उन्होंने महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर को देते हुए कहा, 'हरमन दी ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। आज महिला क्रिकेट जिस मुकाम पर है, वह पूरी तरह से हरमन दी की ही देन है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग

हरियाणा हरिकेंस ने पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स और अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को हराया

नोएडा । हरियाणा हरिकेंस ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स पर 2-1 से जीत के साथ की। वहीं, अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को 3-0 से हराया। हरियाणा ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-17 से जीता। पंजाब ने दूसरे सेट में हरियाणा को इसी स्कोर के साथ जवाब दिया। तीसरा सेट रोमांचक और निर्णायक था। हरियाणा हरिकेंस ने आखिरी सेट में नियंत्रण हासिल किया और 21-10 से जीत हासिल करते हुए मैच 2-1 से जीता। हरियाणा के लिए चिराग यादव प्लेयर ऑफ द मैच रहे।



जीत के बाद चिराग ने कहा, 'सुपर 6 स्टेज की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स एक मजबूत टीम है। उन्होंने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने गेम पर फोकस किया। हम जानते थे कि तीसरा सेट बहुत जरूरी है। हमने मिलकर काम किया। अपनी तेजी बनाए रखी और अपने प्लान को अच्छे से पूरा किया। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। आगे के मैचों में भी हम जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे।'

एक अन्य मैच में अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अयोध्या ने तमिल टाइटंस पर 21-14, 21-20, 21-19 से जीत दर्ज की।

'हम मैनचेस्टर सिटी को परेशान कर सकते हैं'

मुकाबले से पहले इप्सविच गोलकीपर वाल्टन का बयान

मैनचेस्टर । इप्सविच टाउन के गोलकीपर क्रिश्चियन वाल्टन का मानना है कि उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी को कड़ी टक्कर देने और उन्हें परेशान करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि एतिहाद स्टेडियम में खेले जाने वाले इस प्रीमियर लीग मुकाबले में इप्सविच पूरी आत्मविश्वास के साथ उतरेगा। इप्सविच ने टॉप लीग में अपनी वापसी की एक अच्छी शुरुआत की है, उसे लीग की शीर्ष टीम के खिलाफ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, वाल्टन ने कहा कि उनकी टीम इंग्लिश फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार है। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए वाल्टन ने कहा, 'हमें पूरा भरोसा है कि मैनचेस्टर सिटी का सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। हमें पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां जाना



होगा। पूरी टीम खेलने के लिए बेताब है। जिसे भी चुना जाएगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहेगा। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक ऐसी चुनौती है, जिसमें आप खुद को परखना चाहते हैं। हम वहां जाकर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और मैन सिटी को परेशान कर सकते हैं।'

मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित तौर पर 114 बार उल्लंघन से जुड़े खुलासों के बाद जांच के दायरे में है। क्लब ने इन निष्कर्षों के खिलाफ अपील की है, लेकिन यह विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

हालांकि, पिछले सप्ताहांत एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ सिटी ने मैदान पर अपनी काबिलियत साबित की, जबकि उन्हें वहां दर्शकों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, बुधवार को चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मुकाबले में उन्हें अपने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

देश के शीर्ष पांच रेस्तरां में दिल्ली का एक भी नहीं, हर्ष गोयनका ने साझा की 50 बेहतरीन रेस्तरां की सूची



नई दिल्ली, एजेंसी। जाने-माने उद्योगपति हर्ष गोयनका ने देश के 50 बेहतरीन रेस्तरां की सूची साझा की है। टाइम्स के 50 उत्कृष्ट रेस्तरां की इस सूची के शीर्ष पांच स्थानों में दिल्ली का कोई भी रेस्तरां शामिल नहीं है।

चेन्नई का अवर्तना पहले स्थान पर है। मुंबई का पापाज्स दूसरे और कसौली का नार तीसरे स्थान पर है। लखनऊ का इदरीस बिरयानी भी सूची में जगह बनाने में सफल रहा है। उसे 50वां स्थान मिला है। यह सूची बॉम्बे टाइम्स की ओर से जारी की गई है। हर्ष गोयनका ने इसे अपने आधिकारिक एक्स खाते पर साझा किया।

सूची में देश के अलग-अलग हिस्सों के ऐसे 50 रेस्तरां शामिल हैं, जो अपने बेहतरीन स्वाद, विविध व्यंजनों और उच्च स्तरीय मेहमाननवाजी के लिए जाने जाते हैं। यह सूची भारत की समृद्ध खानपान संस्कृति को दर्शाती है।

सूची के विश्लेषण से पता चलता है कि देश के प्रमुख महानगरों का उच्च स्तरीय भोजन परिदृश्य में दबदबा है। मुंबई के 15 से अधिक रेस्तरां इसमें शामिल हैं। इनमें पापाज्स, मास्क, द टेबल और ट्रेसिंड जैसे नाम शामिल हैं।

बेंगलुरु के फार्मलोर, नवु और लुपा तथा दिल्ली के इंडियन एक्सेंट, निसबा और दमपुख्त जैसे रेस्तरां भी सूची में शामिल हैं।

हालांकि, शीर्ष पांच में दिल्ली का कोई रेस्तरां नहीं है। सूची के शीर्ष पांच स्थानों में मुंबई के चार रेस्तरां शामिल बताए गए हैं।

यह सूची केवल आधुनिक और महंगे भोजनालयों तक सीमित नहीं है। इसमें भारत के क्षेत्रीय स्वाद और पारंपरिक व्यंजनों को भी स्थान दिया गया है।

शीर्ष स्थान पर मौजूद चेन्नई का अवर्तना दक्षिण भारतीय व्यंजनों को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करता है। इसके अलावा कसौली का नार, गोवा के होसा और पेटिसको, कोलकाता का सिएना रानाघोर, लखनऊ का इदरीस बिरयानी और मुंबई का श्री ठाकुर भोजनालय भी सूची में शामिल हैं। इन रेस्तरां की मौजूदगी बताती है कि सूची में आधुनिक व्यंजनों के साथ प्रामाणिक स्वाद और स्थानीय खानपान की विरासत को भी महत्व दिया गया है।

सुनामी की तरह बढ़ रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भविष्य में सप्ताह में केवल साढ़े तीन दिन काम और 2.85 करोड़ रुपये तक सालाना आय का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जेमी डिमन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेजी से होती प्रगति की तुलना सुनामी से की है। उनका कहना है कि इसकी रफ्तार इतनी तेज है कि सरकारों के लिए भी इसे पूरी तरह रोकना मुश्किल होगा। हालांकि, इसके खतरों के बावजूद उनका मानना है कि भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता लोगों की जिंदगी को अधिक आसान और बेहतर बना सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से दुनिया को बदल रही है। आने वाले समय में इसका असर नौकरियों, काम करने के तरीकों और लोगों की कमाई पर दिखाई दे सकता है। डिमन का मानना है कि भविष्य में इसकी मदद से लोग कम समय काम करके भी अधिक आय अर्जित कर सकेंगे। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, डिमन ने हाल ही में शिकागो के आर्थिक क्लब में बोलते हुए इस तकनीक की बढ़ती ताकत और उसके संभावित प्रभावों पर अपनी राय रखी। डिमन ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे काम कर रही है, जिनकी कल्पना कुछ सप्ताह पहले तक भी नहीं की गई थी। यह सुनामी की तरह पूरे तंत्र में फैल रही है और इसे पूरी तरह रोकना लगभग असंभव है। उन्होंने इसकी तुलना 18वीं सदी की औद्योगिक क्रांति से की। मुक्त स्रोत तकनीकी प्रणालियों और चीन जैसे देशों में हो रहे विकास के कारण इसे किसी एक देश के नियंत्रण में रखना मुश्किल है। डिमन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से होने वाले संभावित लाभों का भी उल्लेख किया। उनका मानना है कि इससे स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन और कार्यालयों में काम करने की क्षमता में बड़ा सुधार हो सकता है।

भारत की रफ्तार रही बरकरार तो 2030 तक होगा बड़ा उलटफेर, अमेरिका और चीन के बाद बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अपनी शानदार आर्थिक वृद्धि को आगे भी जारी रख सकता है। दुनिया की प्रमुख आर्थिक संस्थाओं ने भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताते हुए चालू और अगले वित्त वर्ष के लिए विकास दर के अनुमान बढ़ाकर लगभग सात प्रतिशत या उससे अधिक कर दिए हैं। यदि ये अनुमान सही साबित होते हैं, तो भारत 2003 से 2007 के बीच दर्ज अपनी तेज आर्थिक वृद्धि के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकता है। उस समय भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ था।

कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक पॉलिसी में भारत और दक्षिण एशिया दल के प्रमुख क्युंगहून किम ने सामाजिक माध्यम एक्स पर एक टिप्पणी में इस रुझान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक द्वारा भारत की विकास दर के अनुमानों में वृद्धि महत्वपूर्ण है। पिछले दो दशकों में भारत के आर्थिक प्रदर्शन को देखते हुए यह बदलाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

लगातार सात प्रतिशत से अधिक रही वृद्धि: महामारी के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था में 5.8 प्रतिशत की गिरावट आई थी। हालांकि, 2021 में अर्थव्यवस्था ने 9.7 प्रतिशत की जोरदार वापसी की। किम के आकलन के अनुसार, इसके बाद लगातार चार वर्षों तक भारत की विकास दर सात प्रतिशत से अधिक रही। अर्थव्यवस्था की लगातार तेज रफ्तार को देखते हुए सकल घरेलू उत्पाद के तिमाही आंकड़े आने के साथ अर्थशास्त्रियों को अपने अनुमानों में बार-बार वृद्धि करनी पड़ी। यदि मौजूदा



अनुमान सही साबित होते हैं, तो भारत सात प्रतिशत से अधिक की वार्षिक विकास दर के अपने मौजूदा दौर को 2003 से 2007 के पांच वर्षीय रिकॉर्ड से भी आगे ले जा सकता है।

1960 के बाद से भारत की पांच वर्षों की औसत विकास दर सबसे ऊंचे स्तरों में से एक है। भारत के हालिया प्रदर्शन का वास्तविक महत्व तब सामने आता है, जब इसका आकलन किसी एक तिमाही या वर्ष के बजाय लंबी अवधि के आधार पर किया जाता है।

भारत ने दर्ज की शानदार आर्थिक वृद्धि: किम के अनुसार, 2021 से 2025 के दौरान भारत की औसत वार्षिक विकास दर 7.83 प्रतिशत रही। 1960 से अब तक के आंकड़ों में यह पांच वर्षों की दूसरी सबसे ऊंची औसत विकास दर है। यह 2003 से 2007 के बीच दर्ज 7.89 प्रतिशत की औसत दर से थोड़ी ही कम है।

यह तुलना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी एक वर्ष में तेज आर्थिक वापसी करना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है, लेकिन लंबे समय तक ऊंची विकास दर बनाए रखना काफी कठिन होता है। महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था का विस्तार ऐसे समय में हुआ, जब उसका आर्थिक आधार 2000 के दशक की शुरुआत की तुलना में काफी बड़ा हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक आशावान

तीनों प्रमुख संस्थाओं के ताजा अनुमानों के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी रह सकती है। चालू और अगले वित्त वर्ष के लिए इनके अनुमान लगभग सात प्रतिशत या उससे अधिक हैं।

विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर लगभग 7.1 प्रतिशत रह सकती है, जबकि पहले इसका अनुमान 6.6 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2027-28 के लिए विकास दर का अनुमान लगभग 7.2 प्रतिशत है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने अनुमान को लगभग 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2027-28 के लिए भी इसका अनुमान लगभग सात प्रतिशत है।

एशियाई विकास बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विकास दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, वित्त वर्ष 2027-28 के लिए अनुमान 7.3 प्रतिशत से घटाकर 7.1 प्रतिशत किया गया है। कुल मिलाकर, इन संस्थाओं को उम्मीद है कि मध्यम अवधि में भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी रहेगी। हालांकि, ये अनुमान निश्चित परिणाम की गारंटी नहीं हैं। अलग-अलग संस्थाओं के अनुमानों में अंतर उनके घरेलू और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के आकलन को दर्शाता है।

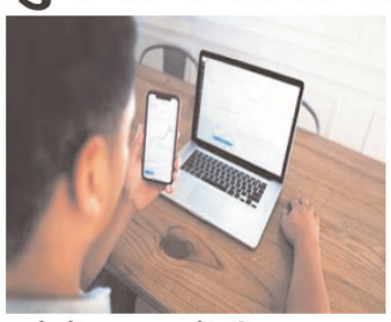
फेडरल बैंक का मुनाफा 45 प्रतिशत बढ़ा, 385 रुपये तक पहुंच सकता है शेयर का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक के शेयर में आने वाले दिनों में तेजी आने की संभावना जताई गई है। वित्तीय विश्लेषण करने वाली कंपनी एलारा सिक्योरिटीज का अनुमान है कि बैंक का शेयर अपने मौजूदा 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर को पार कर सकता है।

क्या है शेयर की कीमत?: फेडरल बैंक के शेयर का पिछला बंद भाव 335 रुपये था। विश्लेषकों के अनुमान के मुताबिक, इसमें लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और भाव 385 रुपये तक पहुंच सकता है।

शेयर का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 364.95 रुपये है, जिसे अगस्त 2026 में पार किया गया था। इसका 52 सप्ताह का न्यूनतम भाव 211.65 रुपये है।

कैसे रहे तिमाही नतीजे?: चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में फेडरल बैंक का मुनाफा 45 प्रतिशत बढ़कर 1,386 करोड़



रुपये हो गया। आय में वृद्धि इसका प्रमुख कारण रही।

बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 955 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। इससे पिछली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2026 के दौरान बैंक का मुनाफा 1,177 करोड़ रुपये रहा था।

सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 26 प्रतिशत बढ़कर 3,153 करोड़ रुपये हो गई। गैर-ब्याज आय भी पिछले वर्ष की समान अवधि के 1,082 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,490 करोड़ रुपये हो गई।

परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर नए फंसे कर्ज की राशि एक साल पहले के 579 करोड़ रुपये से घटकर 420 करोड़ रुपये रह गई।

विलय पर बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने क्या कहा?: फेडरल बैंक का जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ विलय को लेकर बातचीत आगे बढ़ने की खबरों के बीच बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक केवीएस मणियन ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

हालांकि, उन्होंने कहा कि बैंक दूसरे संस्थानों के अधिग्रहण या विलय के माध्यम से कारोबार बढ़ाने के अवसरों में रुचि रखता है। बैंक विभिन्न विकल्पों का आकलन कर रहा है, लेकिन फिलहाल इस विषय में कोई विशेष जानकारी देने की स्थिति में नहीं है।

महीने में 80 हजार रुपये कमाने वाले भारत के शीर्ष 10 प्रतिशत में, फिर भी अमेरिका-कनाडा के गरीबों से पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में यदि कोई व्यक्ति हर महीने लगभग 80 हजार रुपये कमाता है, तो वह देश के सबसे अधिक कमाई करने वाले 10 प्रतिशत लोगों में शामिल हो सकता है। लेकिन दुनिया के अमीर देशों से तुलना करने पर भारत के अपेक्षाकृत संपन्न लोगों का जीवन स्तर भी वहां के सबसे कम कमाई करने वाले लोगों से नीचे दिखाई देता है।

विश्व बैंक के वर्ष 2026 के गरीबी और असमानता संबंधी आंकड़े भारत और विकसित देशों के बीच आय तथा उपभोग के बड़े अंतर को दर्शाते हैं। हालांकि, भारत ने पिछले एक दशक में गरीबी कम करने के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसके बावजूद लोगों की आय बढ़ाना और बेहतर रोजगार उपलब्ध कराना देश के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है।

रोजाना उपभोग लगभग 951 रुपये

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में सबसे अधिक खर्च करने वाले 10 प्रतिशत लोगों के समूह में शामिल होने की सीमा वर्ष 2021 की क्रय शक्ति के आधार पर लगभग 10 डॉलर यानी 951 रुपये प्रतिदिन है। इसके विपरीत, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सबसे कम खर्च करने वाले 10 प्रतिशत लोगों का दैनिक उपभोग भी लगभग 25 से 31 डॉलर यानी 2,377 से 2,948 रुपये के बराबर है। दूसरी ओर, भारत के सबसे गरीब 10 प्रतिशत लोगों का दैनिक उपभोग लगभग तीन डॉलर यानी 285 रुपये प्रति व्यक्ति है। इससे पता चलता है कि भारत के अपेक्षाकृत अच्छी कमाई करने वाले लोगों और विकसित देशों के गरीब तबके के जीवन स्तर में भी बड़ा अंतर है। हालांकि, इन आंकड़ों की तुलना करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अलग-अलग देशों में वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें अलग-अलग होती हैं।

हर देश में समान नहीं होती खरीदारी की क्षमता: विशेषज्ञों के अनुसार, विभिन्न देशों में आय और जीवन स्तर की सीधी तुलना करने की कुछ सीमाएं हैं। इसका कारण यह है कि एक ही रकम से प्रत्येक देश में समान मात्रा में वस्तुएं और सेवाएं नहीं खरीदी जा सकतीं। उदाहरण के लिए, अमेरिका में मैकडॉनल्ड्स का एक बर्गर लगभग पांच डॉलर यानी करीब 500 रुपये का हो सकता है, जबकि भारत में इसकी कीमत 150 से 200 रुपये के बीच हो सकती है।

लोगों की आलोचना के बजाय इंस्टाग्राम से सीखी तकनीक, खेती में बदला करियर और अब कर रहे लाखों की कमाई



नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी महाराष्ट्र के अकोला जिले के प्रसाद रामचवरे की है। औषधि विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कंपनियों में नौकरी करने के बजाय कृषि को अपना करियर बनाया।

अपनी मेहनत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक माध्यमों के सही इस्तेमाल से प्रसाद ने विदर्भ की भीषण गर्मी में ड्रैगन फ्रूट की सफल खेती की। उन्होंने दूसरे किसानों के सामने भी एक मिसाल कायम की है। आज वह खेती से लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं। प्रसाद रामचवरे महाराष्ट्र के अकोला जिले के अलंका गांव के रहने वाले हैं। उनके परिवार के पास 15 एकड़ पुश्तैनी कृषि भूमि थी, जहां दालें और चावल उगाए जाते थे।

हालांकि, परिवार की नई पीढ़ी नौकरी की ओर बढ़ रही थी। वर्ष 2017 में पहली बार ड्रैगन फ्रूट चखने के बाद प्रसाद की इस फल की खेती में रुचि बढ़ी। वर्ष 2021 में महामारी के दौरान जब पढ़ाई ऑनलाइन चल रही थी, तब उन्होंने अपने पिता को इस व्यावसायिक फसल की खेती के लिए राजी किया। औषधि विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री होने के कारण उनके मित्रों और शिक्षकों ने उन्हें इसी क्षेत्र में नौकरी करने की सलाह दी। लेकिन प्रसाद ने खेती को अपना पहला विकल्प चुना। एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि शुरुआत में लोग उनसे सवाल करते थे कि औषधि विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के बाद वह खेती क्यों करना चाहते हैं।



रूस के तेल से मुनाफा कमा रहा भारत? रिपोर्ट में खुलासा, यूरोप के साथ 43 प्रतिशत बढ़ा कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। भारतीय रिफाइनरियों में इस तेल को संसाधित करने के बाद तैयार पेट्रोलियम उत्पाद पश्चिमी देशों को बेचे जा रहे हैं। सितंबर 2026 में भारत, तुर्किये और ब्रुनेई की रिफाइनरियों से रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को लगभग एक अरब यूरो यानी 1.2 अरब डॉलर के तेल उत्पाद भेजे गए। यह कारोबार अगस्त की तुलना में 43 प्रतिशत बढ़ गया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इस कारोबार में गुजरात स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी सबसे आगे रही। सितंबर में यूरोपीय संघ के बंदरगाहों पर पहुंचे सात जहाजों में से छह में इसी रिफाइनरी के तेल उत्पाद थे। इटली को तीन, रोमानिया को दो तथा स्पेन और साइप्रस को एक-एक खेप मिली। जामनगर से डीजल की लगभग 1.04 लाख टन की एक बड़ी खेप रॉटरडैम के रास्ते में भी थी।

रूस पर प्रतिबंध, लेकिन तेल उत्पादों की बिक्री जारी: यूरोपीय संघ ने जनवरी 2026 से रूस के कच्चे तेल से तैयार पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद कुछ देशों की रिफाइनरियों में तैयार उत्पाद पश्चिमी बाजारों तक पहुंच रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में यूरोपीय संघ ने इन रिफाइनरियों से 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो और अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो के उत्पाद खरीदे। न्यूजीलैंड ने 1.9 करोड़ यूरो के उत्पाद खरीदे। रिपोर्ट का अनुमान है कि इनमें से 29.5 करोड़ यूरो के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे।

नियमों में बदलाव की मांग: रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा नियमों में ऐसी गुंजाइश है, जिसका फायदा उठाकर रूसी तेल से बने उत्पाद दूसरे देशों में बेचे जा सकते हैं। संस्था ने सुझाव दिया है कि जिन रिफाइनरियों में पिछले छह महीनों के दौरान रूसी कच्चा तेल संसाधित हुआ हो, वहां तैयार उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि, यह संस्था की सिफारिश है, यूरोपीय संघ की घोषित नई नीति नहीं।

भारत की रूसी तेल खरीद में गिरावट: सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात अगस्त की तुलना में 13 प्रतिशत घट गया। जामनगर में 27 प्रतिशत, इंडियन ऑयल की पारादीप रिफाइनरी में 21 प्रतिशत और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में आठ प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इसके बावजूद वाडिनार रूसी तेल खरीदने के मामले में जामनगर से आगे निकल गई।

दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पेट्रोल-डीजल के भाव

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार, 18 अक्टूबर को पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर रही, जबकि डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है।

मुंबई में पेट्रोल का भाव 111.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल का भाव 97.83 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। हैदराबाद में पेट्रोल की कीमत 116.15 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.23 रुपये प्रति लीटर है।

लखनऊ, पटना और गुरुग्राम में क्या हैं भाव?: हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल 102.97 रुपये और डीजल 95.64 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल की कीमत 101.86 रुपये और डीजल की कीमत 95.36 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 101.96 रुपये और डीजल 95.44 रुपये प्रति लीटर है।

मई में चार बार बढ़े थे दाम: वर्ष 2022 के बाद इस साल पहली बार मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि हुई थी। तेल विपणन कंपनियों ने लगातार चार बार दाम बढ़ाए थे।

खाद्य नियामक ने शिशु आहार में चीनी मिलाने पर प्रतिबंध का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने छह माह तक के शिशुओं के लिए तैयार खाद्य उत्पादों में फ्रुक्टोज और सुक्रोज मिलाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना और कम उम्र में अतिरिक्त चीनी के सेवन के जोखिम को घटाना है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से शिशुओं के पोषण संबंधी सुरक्षा उपायों को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) विनियम, 2020 में संशोधन का मसौदा प्रकाशित किया है। इसमें छह माह तक की आयु के शिशुओं के लिए बनाए जाने वाले खाद्य उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

मसौदा संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिशु आहार उत्पाद बच्चों की आयु के अनुरूप पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करें। अधिसूचना को सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया गया है। संबंधित पक्ष 60 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां और सुझाव दे सकते हैं।

वर्तमान नियम क्या कहते हैं?: वर्तमान नियम जन्म से 24 माह तक के बच्चों के लिए विभिन्न श्रेणियों के शिशु आहार उत्पादों की पोषण संरचना, गुणवत्ता और सुरक्षा के मानक निर्धारित करते हैं।

मौजूदा प्रावधानों के तहत लैक्टोज और ग्लूकोज से बने कार्बोहाइड्रेट को प्राथमिकता दी जाती है। सुक्रोज और फ्रुक्टोज को केवल आवश्यकता होने पर तथा निर्धारित सीमाओं के भीतर मिलाया जा सकता है।

अब प्रस्तावित संशोधन में छह माह तक के शिशुओं के लिए बनाए जाने वाले उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज मिलाने पर विशेष प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है।

प्रस्ताव के अनुसार, छह माह तक की आयु के शिशुओं के लिए लक्षित उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज नहीं मिलाया जाएगा।

प्रतिबंध क्यों जरूरी है?: मंत्रालय के अनुसार, जीवन के पहले छह महीने स्वस्थ वृद्धि और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवधि में उचित पोषण की विशेष भूमिका होती है।

प्रस्तावित प्रतिबंध का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिशुओं के पोषण उत्पाद उनकी जरूरतों को अनावश्यक चीनी के बिना पूरा करें। यह कदम बचपन में मोटापे और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के व्यापक प्रयासों का भी हिस्सा है।

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल जीवन के पहले छह महीनों तक केवल स्तनपान को प्रोत्साहित करने वाली स्थापित जन स्वास्थ्य सिफारिशों का समर्थन करती है।

प्रस्तावित संशोधन निर्माताओं को ऐसे उत्पाद तैयार करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा, जो छोटे शिशुओं की विशिष्ट पोषण संबंधी आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें। प्राधिकरण अंतिम निर्णय लेने से पहले निर्धारित अवधि में प्राप्त सभी सुझावों और आपत्तियों पर विचार करेगा।

खाद्य नियामक की तीन कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई: भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने तीन खाद्य कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इनमें बिस्कुट निर्माता सूर्या फूड एंड एग्रो, दोदला डेयरी और यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स शामिल हैं। इन कंपनियों पर खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के आरोप हैं।

प्राधिकरण ने शनिवार को सामाजिक माध्यम पर एक संदेश के जरिए इस कार्रवाई की जानकारी दी।

बिस्कुट बनाने वाली एक कंपनी पर पशु आहार के लिए निर्धारित चोकर का इस्तेमाल बिस्कुट में रेशे के स्रोत के रूप में करने का आरोप है। उपभोक्ता की शिकायत के बाद कंपनी के परिसर का निरीक्षण किया गया था। जांच में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित गंभीर कमियां पाई गईं।

चोकर की बोरियों पर पशु आहार के लिए इस्तेमाल किए जाने का निशान भी था। दोदला डेयरी के पूर्ण वसायुक्त दूध का नमूना घटिया पाया गया। जांच में डिटर्जेंट या कास्टिक सोडा की मौजूदगी और निर्धारित सीमा से कम दूध वसा की पुष्टि हुई।

24 डिब्बों वाली वंदे भारत ट्रेन के लिए रेलवे की बड़ी परियोजना, साबरमती में 307 करोड़ रुपये से बन रहा आधुनिक रखरखाव केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के साबरमती में वंदे भारत रेलगाड़ियों के रखरखाव के लिए 307 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक केंद्र बनाया जा रहा है। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल की ओर से इस परियोजना पर काम किया जा रहा है। परियोजना के तहत भारी मरम्मत के लिए बनाया जा रहा कार्यशाला भवन लगभग तैयार हो चुका है। वहीं, पहियों की मरम्मत के लिए निर्मित भवन का काम भी पूरा हो गया है। यह परियोजना साबरमती के एकीकृत रेल डिब्बा रखरखाव परिसर के दूसरे चरण का हिस्सा है। इसका उद्देश्य वंदे भारत रेलगाड़ियों की नियमित देखभाल और बड़ी मरम्मत के लिए जरूरी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। इससे रेलगाड़ियों को बड़ी मरम्मत के लिए दूसरे शहरों में भेजने की आवश्यकता कम होगी। आधुनिक सुविधाओं से रखरखाव की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक होने की उम्मीद है।



न्यूज ब्रीफ

नवरात्रि में मां बिरासिनी के दरबार में उमड़ती है श्रद्धा, दसवीं शताब्दी से आस्था का केंद्र है प्राचीन धाम

भोपाल। नवरात्रि के पावन पर्व पर मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना से पूरा प्रदेश भक्ति रस में डूबा हुआ है। इसी आस्था और भक्ति के प्रवाह में उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली में प्रतिष्ठित स्थित मां बिरासिनी देवी का प्राचीन मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। करीब दसवीं शताब्दी से जुड़ी मानी जाने वाली इस धरोहर में विराजित मां बिरासिनी को मां काली और आदिशक्ति के स्वरूप में पूजा जाता है। प्राचीन प्रतिमा, उससे जुड़ी लोककथाएं और पीढ़ियों से चली आ रही पूजा परंपराएं इस धाम को विशिष्ट पहचान देती हैं। मां बिरासिनी मंदिर की स्थापना से जुड़ी एक प्रचलित लोककथा के अनुसार, सैकड़ों वर्ष पहले पाली निवासी धौकल को स्वप्न में माता ने दर्शन दिए थे। मान्यता है कि माता ने उन्हें एक खेत में अपनी प्रतिमा होने का संकेत दिया और उसे निकालकर उचित स्थान पर स्थापित करने को कहा। इसके बाद खुदाई में प्रतिमा मिलने की बात कही जाती है। धौकल ने प्रतिमा को एक छोटी-सी मढ़िया में स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू की। समय के साथ माता के प्रति लोगों की आस्था बढ़ती गई और स्थानीय मान्यता के अनुसार, नगर के राजा बीरसिंह ने यहां मंदिर का निर्माण कराया। इस तरह एक छोटे पूजा स्थल ने कालांतर में क्षेत्र के प्रमुख देवी धाम का स्वरूप ले लिया।

कल्चुरी कालीन प्रतिमा है विशेष पहचान : मंदिर में विराजित मां बिरासिनी की प्रतिमा काले पत्थर से निर्मित है। इतिहासकारों और स्थानीय जानकारों के अनुसार, इसे कल्चुरी काल की प्रतिमा माना जाता है, जिसका समय लगभग दसवीं शताब्दी बताया जाता है। मां काली के स्वरूप में होने के बावजूद प्रतिमा का मुख बंद है और माता की जीभ बाहर निकली हुई नहीं है। उनका सौम्य भाव इस प्रतिमा को विशिष्ट बनाता है। मंदिर के गर्भगृह में माता के समीप भगवान हरिहर की प्रतिमा भी विराजमान है। भगवान हरिहर को भगवान शिव और भगवान विष्णु के संयुक्त स्वरूप के रूप में पूजा जाता है। मंदिर परिसर में अन्य देवी-देवताओं के पूजा स्थल भी हैं, जो इस धाम की धार्मिक महत्ता को और बढ़ाते हैं।

वर्ष 1989 में शुरू हुआ जीर्णोद्धार: समय के साथ प्राचीन मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से इसके जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के मार्गदर्शन और सान्निध्य में 23 नवंबर 1989 को जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ हुआ। स्थानीय नागरिकों, कोयला क्षेत्र के प्रबंधन और दानदाताओं के सहयोग से लगभग 27 लाख रुपये की लागत से मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया।

पुलिस स्मृति दिवस परेड की फुल ड्रेस फायनल रिहर्सल आज,21 अक्टूबर को मनेगा पुलिस स्मृति दिवस

भोपाल। शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए हर साल की भाँति इस साल भी 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाएगा। यहाँ लाल परेड मैदान स्थित शहीद स्मारक स्थल पर प्रातः 8.30 बजे पुलिस परेड का आयोजन होगा। पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित होने वाली परेड की फुलड्रेस फायनल रिहर्सल 19 अक्टूबर को प्रातः 8.30 बजे लाल परेड मैदान पर होगी। मध्यप्रदेश में इस साल कर्तव्यवेदी पर प्रदेश के 09 पुलिस जवान शहीद हुए हैं। शहीद कर्मियों में स्व. श्री आशीष शर्मा निरीक्षक (वि.स. बल) 25वीं वाहिनी वि.स. बल, भोपाल हाल पदस्थ हॉक फोर्स, बालाघाट, स्व. श्री अशोक शर्मा उप निरीक्षक जिला पुलिस बल, उज्जैन, स्व. श्री मदनलाल निनामा सहायक उप निरीक्षक जिला पुलिस बल, उज्जैन, स्व. श्री परिमाल सिंह तोमर प्रधान आरक्षक 291 बी.डी.डी.एस., जिला मुरैना, स्व. श्री ओम प्रकाश भवेदी का.वा. प्रधान आरक्षक-40 जिला पुलिस बल, उमरिया, स्व. श्री सर्जन सिंह भील का.वा. प्रधान आरक्षक-580 जिला पुलिस बल, राजगढ़, स्व. आरती पाल महिला आरक्षक-1480 जिला पुलिस बल, उज्जैन, स्व. श्री महेश प्रसाद पाठक आरक्षक-98 जिला पुलिस बल, शहडोल एवं स्व. श्री विकास चतुर्वेदी आरक्षक-987 जिला पुलिस बल, सतना शामिल हैं। राजधानी भोपाल की तरह प्रदेश भर की विभिन्न पुलिस इकाईयों में भी 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाएगा।

इंदौर में विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नवरात्रि का पर्व देता है समाज में एकता और सद्भाव का संदेश, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



नवरात्रि के पावन पर्व पर इंदौर में रविवार को भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव प्रसिद्ध बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ हुई विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए। यह यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई एरोड्रम क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बिजासन माता मंदिर पहुंची,जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं श्रद्धा के साथ सहभागिता की। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और स्वागत के माध्यम से यात्रा का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चुनरी यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि मां दुर्गा की आराधना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख,शांति,वैभव और आनंद लेकर आए। मां के आशीर्वाद से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों तथा प्रदेश में सुख-समृद्धि और खुशहाली का वातावरण बना रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि का महापर्व हमें मां दुर्गा की आराधना के साथ जीवन में शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने की प्रेरणा देता है। मां की कृपा सभी पर बनी रहे और आने वाले दशहरे और दीपावली के पर्व सभी के जीवन में खुशियां लेकर आएं। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से जयकारे लगवाते हुए मां के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चुनरी यात्रा के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चुनरी यात्रा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों,जातियों और पंथों के लोगों को एक साथ आने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि मां के दरबार में सभी समान हैं। यहां ऊंच-नीच,अमीर-गरीब और जाति-पंथ का कोई भेद नहीं होता। मां के प्रति श्रद्धा और आस्था सभी को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता,आपसी सद्भाव और एकता को भी मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नागरिकों को दशहरे और दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए मां दुर्गा से प्रदेशवासियों के सुख,शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। विशाल चुनरी यात्रा के दौरान पूरा वातावरण माता रानी के जयकारों से भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में महिलाओं ने चुनरी यात्रा में भाग लेकर अपनी आस्था प्रकट की। श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति से मार्ग में जगह-जगह धार्मिक उल्लास का वातावरण निर्मित हुआ।

कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक तथा अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट,महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेन्दोला,श्री गोलू शुक्ला,श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ तथा श्री महेंद्र हार्डिया, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण सिंह चावड़ा, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री आकाश विजयवर्गीय तथा श्री गोपी कृष्णा नीमा,श्री प्रताप करोसिया,श्री सावन सोनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

वन्दे मातरम की राष्ट्रभावना से सशक्त होगी युवा शक्ति, 2047 तक विकसित भारत का संकल्प होगा साकार : मंत्री श्री परमार



एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि वन्दे मातरम केवल राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, त्याग, समर्पण, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता की शाश्वत प्रेरणा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की सिद्धि में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रभक्ति, सकारात्मक विचारों और कर्तव्यनिष्ठा से परिपूर्ण युवा शक्ति ही भारत को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी। मंत्री श्री परमार रविवार को भोपाल स्थित भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के उपक्रम मेरा युवा भारत (माय भारत) के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय वन्दे मातरम्-शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने देश के छह राज्यों से आए युवा प्रतिनिधियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने युवाओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का उत्साहवर्धन किया तथा उपस्थित जनों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जब देश में निराशा का वातावरण था, तब बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वन्दे मातरम् ने जनमानस में राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान का भाव जागृत किया। आनंदमठ में प्रस्तुत इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम को नई प्रेरणा दी और स्वतंत्रता के बाद इसे राष्ट्रगीत के रूप में आत्मसात किया गया। वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इसकी प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। असंख्य बलिदानियों के त्याग से प्राप्त स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा उनके सपनों का भारत निर्मित करने में इसकी प्रेरणा महत्वपूर्ण है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत को पुनः विश्व मंच पर अग्रणी बनाने के लिए सामूहिक शक्ति का सृजन और राष्ट्रीय एकात्मता का भाव आवश्यक है। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ श्रेष्ठ समाज के निर्माण का संकल्प लेना होगा।

इंदौर में 150 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा देवी अहिल्याबाई होल्कर स्मारक

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर के लालबाग पैलेस के समीप लगभग 150 करोड़ रुपए की लागत से निमार्णाधीन लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर स्मारक के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस स्मारक के प्रथम चरण में 40 करोड़ रुपए के कार्य होंगे। उन्होंने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्मारक का समग्र विकास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लालबाग पैलेस, रामपुर कोठी, चंपा बावड़ी और शिव मंदिर को एकीकृत विकास योजना में शामिल किया जाए, ताकि पर्यटक इन सभी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का एक साथ अवलोकन कर सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि संरक्षण के दौरान भवन के मूल स्थापत्य स्वरूप और ऐतिहासिक महत्व को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐतिहासिक रामपुर कोठी के जीर्णोद्धार कार्यों का अवलोकन किया। भवन की ऐतिहासिक पहचान बनाए रखने के लिए पारंपरिक चूना तकनीक से बाहरी दीवारों का संरक्षण तथा छतों पर वॉटर प्रूफिंग का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निर्माण कार्यों के प्रगति की सतत रूप से उन्हें जानकारी दी जाए तथा निर्धारित समय अवधि में कार्य पूर्ण किया जाए। पुराने आरटीओ भवन एवं रामपुर कोठी की भूमि पर विकसित किए जा रहे इस स्मारक परियोजना का उद्देश्य लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन, न्यायप्रियता, सुशासन, जनसेवा और सांस्कृतिक योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

स्मारक में आधुनिक तकनीक के माध्यम से लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया जायेगा। इसके अंतर्गत डिजिटल प्रस्तुतियां, 3डी प्रोजेक्शन, चित्र एवं म्यूरल्स, लाइट एंड साउंड शो तथा संग्रहालय विकसित किए जाएंगे। इनके माध्यम से विद्यार्थियों, शोधकताओं और पर्यटकों को उनके सुशासन, न्यायप्रियता, जनकल्याणकारी कार्यों तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण में योगदान को जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि प्रवेश मार्ग और परिसर की रूपरेखा पर्यटकों की सुविधा के अनुरूप तैयार की जाए तथा सभी ऐतिहासिक स्थलों के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जाए। देवी अहिल्याबाई होलकर स्मारक ट्रस्ट, इंदौर तथा मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से कार्य किए जा रहे है।

निरीक्षण के दौरान लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष एवं स्मारक ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला एवं श्री मधु वर्मा, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, पुलिस

खिलाड़ी खेल भावना से खेलें और बेहतर प्रदर्शन करें: के सी जोशी स्पोर्ट्स क्लब में ईपीएफओ मध्य अंचल इंडोर गेम्स का शुभारंभ

एक सत बुलेटिन, **जबलपुर**



कर्मचारी भविष्य निधि संगठन केंद्रीय स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के तत्वाधान में क्षेत्रीय कार्यालय की मेजबानी में मध्य अंचल इंडोर गेम्स का शुभारंभ स्पोर्ट्स क्लब में श्री पुनेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, माननीय पीठासीन अधिकारी के मुख्य आतिथ्य, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त।, श्री कैलाश चंद्र जोशी की अध्यक्षता एवं श्री वसीमूल हक़, उप मुख्य श्रम आयुक्त के विशिष्ट आतिथ्य में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस दौरान क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, श्री कैलाश चंद्र जोशी ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के कार्यालयों से आये खिलाड़ियों व अतिथियों का अभिवादन किया और कहा कि सभी खिलाड़ी खेल भावना के साथ खेलें और बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करें। विशिष्ट अतिथि श्री वसीमूल हक, उप मुख्य श्रम आयुक्त ने कहा कि जो खिलाड़ी होते हैं वे आम कर्मचारी से तीन गुना काम करते हैं उनमे अधिक ऊर्जा और लगन होती है। उन्होने खिलाड़ियों से अनुरोध किया कि खेल के साथ ही जबलपुर के प्राकृतिक सौन्दर्य का भी लुफ्ट उठाएँ। मुख्य अतिथि श्री पुनेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, माननीय पीठासीन अधिकारी (उच्चतम) ने अपने उद्बोधन में कहा कि लाइफ में बहुत जदोजहद है और इसके बीज अपने दैनिक कार्यालयीन कार्य के बीच खेल के लिए समय निकाल कर यहाँ तक पहुंचे वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने यह भी कहा की सेवारत करमचरियों के साथ ही सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए भी ऐसे प्रीतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए। श्री परितोष कुमार, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुत ने कहा की आप सब ने यहाँ तक पहुंचने में जो परिश्रम और लगन दिखाया है वह अत्यंत सराहनीय है। इंडोर गेम्स खिलाड़ी के मानसिक संतुलन एवम एकाग्रता को बढ़ता है। श्री कैलाश चंद्र जोशी, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त। द्वारा मध्य अंचल इंडोर गेम्स 2026 के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की। तीन दिन तक चलने वाले इंडोर गेम्स में पहले दिन बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, कैरम तथा शतरंज प्रतियोगिता के लीग मैच खेले गए। 17 अक्टूबर को नॉकआउट मैच खेले जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान में मध्यप्रदेश के युवाओं का ऐतिहासिक कीर्तिमान

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करने की अभिनव पहल की। अभियान में प्रदेश के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने एक लाख कार्ड निर्माण के प्रारंभिक लक्ष्य को पार करते हुए कुल 1 लाख 8 हजार 880 हस्तनिर्मित ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। 55 से अधिक जिलों के विद्यार्थियों ने सात संभागों के माध्यम से सहभागिता कर अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिए विकसित भारत @2047 और समृद्ध मध्यप्रदेश का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया।

अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने पर्यावरण एवं संसाधन संरक्षण, राष्ट्र निर्माण एवं शौर्य गाथा, सामाजिक चेतना एवं स्वास्थ्य, संस्कृति एवं विरासत, ज्ञान-तकनीक एवं नवाचार, कृषि एवं ग्रामीण विकास, काव्य एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति तथा नारी शक्ति एवं समसामयिक विषयों पर ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। इन कार्डों में विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, कलात्मक कौशल और सामाजिक सरोकारों की प्रभावी अभिव्यक्ति देखने को मिली।

पर्यावरण एवं संसाधन संरक्षण विषय के अंतर्गत जल एवं ऊर्जा संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा एक पेड़ माँ के नाम जैसे विषयों को प्रमुखता दी गई। सामाजिक चेतना एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्डों में महिला सशक्तीकरण, मानसिक स्वास्थ्य, नशामुक्ति और अंगदान-महादान जैसे महत्वपूर्ण विषयों के माध्यम से जनजागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स, सिविक सेंटर, तीन बत्ती चौराहा, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादक: विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9893311784